E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 177 | प्रयागराज, शनिवार 31 अक्टूबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ब्राजील- बोल्सोनारो को भागने में ट्रम्प ने मदद की,इटली के पासपोर्ट पर अमेरिका पहुंचे

मियामी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हारने वाले फ्लावियो बोल्सोनारो गिरफ्तारी के डर से परिवार के साथ अमेरिका पहुंच गए। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसमें उनकी मदद की। यह पूरा ऑपरेशन 3 देशों से होते हुए 72 घंटे में हुआ। फ्लावियो पत्नी और दो बेटियों के साथ ब्राजील से पहले अर्जेंटीना पहुंचे। वहां से इक्वाडोर होते हुए 28 अक्टूबर को अमेरिका के मियामी पहुंच गए। इसके लिए बोल्सोनारो ने इटली के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया।फ्लावियो के खिलाफ भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी समेत कई मामलों में जांच चल रही है। इनमें उनके पिता की जिंदगी पर फिल्म बनाने के लिए पैसे जुटाने से जुड़ा मामला भी शामिल है। फ्लावियो ने माना था कि उन्होंने पूर्व बैंकर डेनियल वोरकारो से फिल्म के लिए करीब 1.2 करोड़ डॉलर जुटाने की कोशिश की थी। हालांकि, उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार



किया है। उन पर एक ऐसे वकील से संबंध होने की जांच चल रही है, जिस पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए 1 अरब डॉलर से ज्यादा की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

फ्लावियो ने गिरफ्तारी के डर से देश छोड़ने का फैसला किया। इस काम में उनके छोटे भाई एडुआर्डो बोल्सोनारो ने मदद की। एडुआर्डो टेक्सास में रहते हैं और ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रम्प ने फ्लावियो और उनके परिवार को अमेरिका में प्रवेश की मंजूरी दी थी।

विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 27 अक्टूबर को परिवार को वीजा देने की बात कही थी। ट्रम्प प्रशासन ने उन्हें अमेरिका में एक साल तक रहने की इजाजत देने वाला 'ह्यूमैनिटेरियन पैरोल' भी दिया।

यह एक खास अनुमति होती है, जो मानवीय कारणों या किसी बड़े सार्वजनिक हित के लिए दी जाती है। इसके तहत कोई व्यक्ति कुछ समय तक अमेरिका में रह सकता है लेकिन उसे स्थायी नागरिकता नहीं मिलती। इसके तहत पुलिस ने उन्हें 24 घंटे के अंदर अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था।

आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

अमेरिका- मिडटर्म चुनाव की अर्ली वोटिंग,ट्रम्प ने 30 राज्यों की वोटर लिस्ट मंगवाई

रिपब्लिकन पार्टी पीछे,अब तक 4 करोड़ ने वोट डाला

न्यूयॉर्क। अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले ही अर्ली वोटिंग शुरू हो गई है। अब तक करीब 4 करोड़ लोग वोट डाल चुके हैं।रॉयटर्स और इप्सॉस के सर्वे के मुताबिक, अर्ली वोटिंग में राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पीछे चल रही है। विपक्षी डेमोक्रेट्स को 47फीसदी और रिपब्लिकन पार्टी को 36फीसदी वोटरों का समर्थन मिल रहा है। इस बीच ट्रम्प ने अमेरिका के 30 राज्यों से वोटर लिस्ट की मांगी की है। माना जा रहा है कि ट्रम्प इस डेटा के जरिए विरोधी वोटरों की पहचान कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं। अर्ली वोटिंग क्या होती है? अमेरिका में चुनाव के तय दिन से पहले ही वोट डालने की सुविधा को अर्ली वोटिंग कहते हैं। वोटर चुनाव वाले दिन का इंतजार किए बिना तय समय के दौरान वोट डाल सकते हैं।इसके लिए वोटर मतदान केंद्र जाकर या कुछ राज्यों में डाक से बैलेट भेजकर



वोट दे सकते हैं। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोट डालने का मौका देना है। ट्रम्प वोटरों की निजी जानकारी मांग रहे:-ट्रम्प सरकार ने 30 राज्यों से वोटरों की पूरी जानकारी मांगी है। इस मामले में ट्रम्प प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की है। इस लिस्ट में वोटरों के पते, जन्मतिथि और सोशल सिक्योरिटी नंबर जैसी जानकारियां शामिल हैं। ट्रम्प सरकार का कहना है कि वह यह जानकारी इसलिए चाहता है ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं गैर-अमेरिकी नागरिक तो वोट नहीं डाल रहे। हालांकि, अब तक फर्जी वोटिंग होने का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। जानकारों ने चिंता जताई है कि इस जानकारी का इस्तेमाल ट्रम्प के विरोध में वोट डालने वालों की पहचान के लिए हो सकता है। आशंका है कि सरकार इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई और एफबीआई के जरिए ऐसे लोगों पर दबाव बना सकती है। महंगाई और रोजगार से नाराज हैं वोटर:-ट्रम्प सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों की नाराजगी है। रॉयटर्स-इप्सोस सर्वे के मुताबिक- महंगाई: 65फीसदी वोटर ट्रम्प के आर्थिक फैसलों से नाराज हैं। इमिग्रेशन: 48फीसदी वोटरों का मानना है कि सख्त इमिग्रेशन नीतियों से अमेरिका को नुकसान हो रहा है। रोजगार: 45फीसदी वोटरों का कहना है कि नौकरी के मौके कम हो रहे हैं। ओबामा और कमला हैरिस भी प्रचार में जुटे:-डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली है।

वे अब तक 50 से ज्यादा चुनावी सभाएं कर चुके हैं। कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में ओबामा काफी लोकप्रिय हैं।भारतवंशी पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी चुनावी सभाएं बढ़ा दी हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में वे ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार थीं। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

इजराइल चुनाव- सरकार बनाने की कोशिशों में जुटे आइजनकोट,तीन विपक्षी नेताओं से मुलाकात की

बोले- बेंजामिन चुनाव को बदनाम कर रहे

तेल अवीव। इजराइल में चुनाव के बाद विपक्षी नेता गादी आइजनकोट सरकार बनाने की कोशिशों में जुट गए हैं। उन्होंने डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलान, बियाचाद के प्रमुख नफ्ताली बेनेट और विपक्षी नेता यायर लैपिड से मुलाकात की है। आइजनकोट ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी लिकुड पार्टी चुनाव नतीजों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें बहुमत नहीं मिला। चुनाव में अब तक आइजनकोट के गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं, जबकि नेतन्याहू



के खेमे को 53 सीटें मिली हैं। इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 61 सीटों का समर्थन जरूरी है। वहीं, अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। ऐसे में किसी भी खेमे के पास बहुमत नहीं है। सरकार बनाने के लिए दोनों खेमों को दूसरे दलों का समर्थन जुटाना होगा। जॉइंट लिस्ट गठबंधन को जानिए:-इजराइल में सभी वोटों की गिनती के बाद जॉइंट लिस्ट गठबंधन को 11 सीटें मिली हैं। यह इजराइल की अरब आबादी के अधिकारों की बात करने वाला राजनीतिक गठबंधन है। इसमें तीन अलग-अलग पार्टियां शामिल हैं। गठबंधन में अरब नेताओं के साथ यहूदी नेता भी हैं। हदाश: यह वामपंथी पार्टी है। यह अरब और यहूदी नागरिकों की समानता, मजदूरों के अधिकारों और फिलिस्तीन के साथ शांति की वकालत करती है।ताल: यह अहमद तिबी की पार्टी है। यह अरब नागरिकों के समान अधिकार, शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसरों और फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना का समर्थन करती है। बलद: यह अरब राष्ट्रवादी विचारधारा वाली धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। यह इजराइल को ऐसा देश बनाने की वकालत करती है, जहां सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलें। 2015: जॉइंट लिस्ट पहली बार इजराइली चुनाव से पहले बनी थी। उस समय अरब समुदाय की चार प्रमुख पार्टियों ने एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया था।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

बीते 8 चुनावों में इस बार सबसे कमजोर नेतन्याहू, उनकी पार्टी को सिर्फ 27 सीटें मिलीं, फिर भी सरकार बनाने की संभावना

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को 2026 के चुनाव में 27 सीटें मिली हैं। पिछले 8 चुनावों में यह उनकी पार्टी का



सबसे कमजोर प्रदर्शन है। इससे पहले लिकुड को 2009 में 27 सीटें मिली थीं। इजराइल की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं। नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें मिली हैं। सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। उनकी पार्टी बहुमत से 34 सीटें पीछे है, लेकिन सत्ता में उनकी वापसी के आसार हैं।इसकी वजह विपक्षी दलों के बीच मतभेद और सरकार बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने की संभावनाएं हैं। नेतन्याहू के पास सरकार बनाने के तीन रास्ते:-पहला रास्ता: विपक्षी दलों के सांसदों का समर्थन:- नेतन्याहू विपक्षी खेमे में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर उसके कुछ सहयोगी नेतन्याहू का समर्थन करने को तैयार हो जाते हैं, तो उनके लिए 61 सीटों का आंकड़ा हासिल करना संभव हो सकता है। चुनौती- इस रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती विपक्षी नेताओं का विरोध है। उन्होंने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए नेतन्याहू के साथ जाना राजनीतिक रूप से मुश्किल होगा। दूसरा रास्ता: राष्ट्रीय एकता सरकार:-नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसी सरकार में अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां शामिल हो सकती हैं। चुनौती- नेतन्याहू के कुछ सहयोगियों ने भी इस विकल्प पर चर्चा की है। इससे उन्हें प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का मौका मिल सकता है। हालांकि, आइजनकोट नेतन्याहू के नेतृत्व का विरोध कर चुके हैं। इसलिए इस प्रस्ताव पर सहमति बनना आसान नहीं होगा। तीसरा रास्ता: अल्पमत सरकार:-नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने की कोशिश भी कर सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में 61 सांसद नहीं होते, लेकिन उसे संसद में दूसरे दलों का समर्थन या कुछ मामलों में उनका विरोध नहीं मिलने की जरूरत होती है। चुनौती- अल्पमत सरकार को बजट, विश्वास मत और दूसरे अहम फैसलों पर समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए ऐसी सरकार बन भी जाए, तो उसे लंबे समय तक चलाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

रूस का यूक्रेन के रेलवे स्टेशन पर हमला, 14 की मौत,ड्रोन से किया हमला,इस साल रेल नेटवर्क पर 1600 हमले

कीव। यूक्रेन के मध्य में स्थित निप्रो शहर में गुरुवार सुबह रूसी ड्रोन ने रेलवे स्टेशन पर हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। शहर के मेयर बोरिस फिलातोव ने कहा कि ड्रोन ने यात्रियों को ले जाने वाली इलेक्ट्रिक ट्रेन को निशाना बनाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले को भयावह बताया। उन्होंने रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की, ताकि ऐसे हमलों को रोका जा सके। हमले के वक्त प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी ट्रेन:- यूक्रेन की सरकारी रेलवे कंपनी के मुताबिक, ड्रोन ने उस प्लेटफॉर्म को निशाना बनाया, जहां निप्रो से जापोरिजिया जाने वाली ट्रेन नंबर 866 खड़ी थी। ट्रेन रवाना होने की तैयारी में थी। रेलवे कंपनी ने बताया कि खतरे को लेकर चेतावनी जारी की गई थी, लेकिन इसके बावजूद प्लेटफॉर्म पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। रेलवे नेटवर्क पर 8 महीने में 1600 से ज्यादा हमले:- रूस ने 2026 के पहले 8 महीनों में यूक्रेन के रेलवे नेटवर्क पर 1,600 से ज्यादा हमले किए। इनमें ट्रेन, रेल इंजन और रेलवे से जुड़े दूसरे ठिकानों को निशाना बनाया गया। विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा के मुताबिक, 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूस 500 से ज्यादा रेल इंजनों को नुकसान पहुंचा चुका है या नष्ट कर चुका है। इनमें से आधे से ज्यादा घटनाएं इसी साल हुईं। यूक्रेन के लिए रेलवे यात्रियों के साथ-साथ जरूरी सामान और



अनाज की आवाजाही का भी अहम साधन है। ऐसे में रेलवे पर हमलों से देश की परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यूक्रेन के पूर्व उप परिवहन मंत्री वासिल शेवचेंको के मुताबिक, रेल इंजन पर हमला होने से पूरे रेल मार्ग पर यातायात ठप हो जाता है। डीजल इंजन में बड़ी मात्रा में ईंधन होने के कारण विस्फोट के बाद भीषण आग लग जाती है। यूक्रेन के रेलवे नेटवर्क पर हमलों का असर सिर्फ यात्रियों तक सीमित नहीं है। रेलवे के जरिए अनाज, जरूरी सामान और युद्ध प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाई जाती है। रेलवे की आवाजाही बाधित होने से अर्थव्यवस्था और देश की आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। रेलवे को सुरक्षित रखने के लिए यूक्रेन की तैयारी:- रूसी ड्रोन हमलों के खतरे को देखते हुए यूक्रेन की सरकारी रेलवे कंपनी ने ट्रेनों और ड्रोन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी केंद्र बनाए हैं। खतरे का संकेत मिलने पर ट्रेनों को रोककर यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कोशिश की जाती है। यूक्रेन की सरकारी रेलवे कंपनी के मुताबिक, सितंबर में ड्रोन हमलों के खतरे के कारण 5,831 ट्रेनों से यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। यानी औसतन हर दिन करीब 205 ट्रेनों को रोकना पड़ा। कुछ यात्रियों को खतरा टलने तक रेलवे ट्रैक के पास या खुले मैदानों में इंतजार करना पड़ा। एक ट्रेन को सितंबर में 6.5 घंटे तक रोकना पड़ा था।



बांग्लादेश में साजिश से गिराई गई हसीना सरकार,तख्तापलट से 2 दिन पहले यूनुस छात्रों से मिले,विदेशी पत्रकार ने मीटिंग कराई, वहीं बना प्लान

ढाका। बांग्लादेश में साजिश के तहत शेख हसीना की सरकार गिराई गई थी। छात्र संगठन चाहते थे कि बांग्लादेश की सरकार मोहम्मद यूनुस चलाएं। छात्रों की यूनुस से मुलाकात करवाने में न्यूज एजेंसी एएफपी के पत्रकार कादरुद्दीन शिशिर ने मदद की। यह दावा अंतरिम सरकार के सलाहकार रहे मोहम्मद यूनुस के पूर्व प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने किया है। शेख हसीना ने 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश छोड़ा था। इसके दो दिन पहले ही यूनुस और छात्रों के बीच बातचीत हुई थी। इसी बातचीत में तख्तापलट का प्लान बना। शफीकुल आलम के मुताबिक, छात्र नेताओं को यूनुस तक अपनी बात पहुंचाने के लिए एक भरोसेमंद व्यक्ति की जरूरत थी। ऐसे में कादरुद्दीन शिशिर ने दोनों पक्षों के बीच संपर्क कराने में मदद की। आलम ने दावा किया कि सुरक्षा



एजेंसियों को इस बातचीत की जानकारी नहीं थी। अगर अधिकारियों को इसका पता चल जाता तो शिशिर और एएफपी की पूरी टीम को खतरा हो सकता था।

आलम ने बातचीत का पूरा ब्योरा नहीं दिया। यह भी पता नहीं है कि शिशिर की भूमिका केवल शुरुआती बातचीत कराने तक सीमित थी या उन्होंने आगे की बातचीत में भी हिस्सा लिया था।

छात्र आंदोलन के प्रमुख नेताओं में शामिल नाहिद इस्लाम ने उन्हें अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाने का प्रस्ताव दिया था। बाद में यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी।

आर्मेनिया की संसद में सांसदों के बीच मारपीट,महिलाओं पर विवादित बयान से भड़के नेता-कार्यवाही रोकनी पड़ी

येरेवन। आर्मेनिया की संसद में गुरुवार को सत्तारूढ़ दल और विपक्षी सांसदों के बीच मारपीट हो गई। विवाद महिलाओं पर दिए गए विवादित बयान से शुरू हुआ



था। सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद तारोन चखोयान ने विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन से माफी मांगने के लिए कहा था। उन्होंने कारापेटयन के परिवार को लेकर भी बयान दिया था। इससे नाराज विपक्षी सांसद स्पीकर के पोडियम की ओर बढ़े। देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई। मारपीट के दौरान एक सांसद को फर्श पर गिरा दिया गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मी एक्शन में आए और मामले को संभाला। घटना के बाद संसद की कार्यवाही रोकनी पड़ी। विपक्षी नेता के भाई ने महिलाओं की यौन संतुष्टि पर बयान दिया था:- चखोयान ने अपने भाषण में विपक्षी नेता कारापेटयन के चचेरे भाई सरगिस कारापेटयन के पुराने बयान का जिक्र करते हुए उनकी आलोचना की थी। उन्होंने एक पॉडकास्ट में महिलाओं पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसी साल जनवरी में एक समाजशास्त्री ने कहा था कि आर्मेनिया में अधेड़ उम्र की महिलाओं की राजनीति में दिलचस्पी बढ़ रही है। समाजशास्त्री ने इसकी वजह यौन असंतुष्टि बताया था। उनका दावा था कि इसी वजह से कुछ महिलाएं सोशल मीडिया पर ज्यादा राजनीतिक टिप्पणियां करती हैं। जब एक पॉडकास्ट में सरगिस से इस पर चर्चा हुई तो उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर देश में कोई भी महिला यौन संतुष्टि से वंचित नहीं रहेगी। पॉडकास्ट में शामिल एक अन्य व्यक्ति ने मजाक में 'सेक्स मंत्रालय' बनाने की बात कही थी। इसके बाद सरगिस ने कहा कि यौन संबंधों के बिना जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं हल नहीं की जा सकतीं। इस तरह बातचीत महिलाओं की राजनीतिक सक्रियता से शुरू होकर यौन संतुष्टि और आर्मेनिया की घटती जन्म दर तक पहुंच गई। सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद तारोन चखोयान ने संसद में इसी बयान का जिक्र करते हुए विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन पर निशाना साधा।

पाकिस्तान में सिर्फ 1.7फीसदी हिंदू बचे,ब्रिटिश संगठन की रिपोर्ट- आजादी से पहले 14.6फीसदी थे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी अब सिर्फ 1.7फीसदी रह गई है। ब्रिटिश हिंदू संगठन इनसाइट यूके की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 1941 में आज के पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी 14.6फीसदी थी। रिपोर्ट में हिंदुओं की आबादी घटने की वजह हिंसा और धर्म परिवर्तन बताया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि बंटवारे के समय और उसके बाद हजारों हिंदू परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा। कई परिवारों की पुश्तैनी जमीन और खेत भी छिन गए। रिपोर्ट में धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक और जबरन धर्म परिवर्तन के मामले भी उठाए गए हैं। संगठन ने ब्रिटिश सरकार से पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1947 के बंटवारे के दौरान और उसके बाद हुई हिंसा के कारण हजारों हिंदू परिवार विस्थापित हुए। कई परिवारों ने अपनी पुश्तैनी जमीन और खेत खो दिए। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान के एनिमी प्रॉपर्टी कानूनों के तहत इन संपत्तियों पर कब्जे से हिंदू समुदाय की आर्थिक स्थिति कमजोर हुई। पाकिस्तान में एनिमी प्रॉपर्टी यानी दुश्मन की संपत्ति उन मकानों, जमीनों या दूसरी संपत्तियों को कहा जाता है, जिन्हें सरकार ने भारत चले गए लोगों या दुश्मन देश के नागरिकों की संपत्ति मानकर अपने कब्जे में ले लिया है। हिंदुओं के राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री बनने पर भी पाबंदी:- रिपोर्ट में पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 41 और 91 का जिक्र किया गया है। इनके तहत राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का पद केवल मुस्लिम नागरिकों के लिए है। इन नियमों को बदलने के लिए 2019 में लाया गया सुधार विधेयक आगे नहीं बढ़ सका। संगठन ने यह भी कहा कि पाकिस्तान में पासपोर्ट बनवाते समय नागरिकों को अपना धर्म बताना पड़ता है। इस्लामाबाद में हिंदू मंदिर बनाने की योजना भी अब तक पूरी नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 में मंदिर निर्माण को मंजूरी मिलने के बाद इस्लामी संगठनों के विरोध के चलते काम रोक दिया गया था। हर साल 1,000 से ज्यादा हिंदू-ईसाई महिलाओं के अपहरण:-रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान में हर साल करीब 1,000 या इससे ज्यादा हिंदू और ईसाई महिलाओं व लड़कियों का अपहरण होता है। आरोप है कि बाद में उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराकर अपहरण करने वालों से शादी करा दी जाती है। इनमें कई नाबालिग गरीब परिवारों से होती हैं। उन्हें न्याय पाने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने मेधावियों और समाजसेवियों को किया सम्मानित,लोक सेवक एवं मेधा सम्मान से बढ़ा प्रतिभाओं का गौरव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बलिया। स्थानीय टीडी कॉलेज के मनोरंजन हॉल में आयोजित



सम्मान समारोह में राज्यसभा के उपसभापति माननीय हरिवंश जी ने शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के टॉपर्स को स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंटकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह में मेधावियों और समाज के प्रति समर्पित लोगों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश जी ने कहा कि समाज और राष्ट्र के विकास में शिक्षा तथा जनसेवा की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ ही समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित करना सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाते हैं। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख अनिल सिंह, प्रवीण सिंह, इफ्तखार खान, प्रदीप यादव, रूपेश सिंह, दुष्यंत सिंह, रामप्रकाश यादव, प्रिया, गीता, डॉ. कादंबिनी सिंह, शशिप्रेम देव, मुकेश सिंह, दिलीप कुमार सिंह, उमेश सिंह, भवतोष पांडेय, अजय सिंह, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, खुशी कुमारी, रिया वर्मा, भाग्यलक्ष्मी एवं रामनाथ पासवान सहित अन्य लोगों को लोक सेवक एवं मेधा सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहा गया। वहीं समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों को भी सम्मान देकर उनके योगदान को रेखांकित किया गया। आयोजकों के अनुसार, लोक सेवक एवं मेधा सम्मान का उद्देश्य समाज और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को पहचान दिलाना तथा उन्हें आगे भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना है। सम्मान प्राप्त करने वालों के लिए यह अवसर गौरव और प्रेरणा का प्रतीक बना। प्रतिभा, परिश्रम और समाज के प्रति समर्पण ही किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान है। ऐसे सम्मान समारोह न केवल उत्कृष्ट कार्य करने वालों का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि युवाओं को भी शिक्षा और जनसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

लोक सेवा गारण्टी में समय सीमा में सेवाएं नहीं देने वाले पंचायत सचिवो पर 500 रूपए प्रतिकेश पैनाल्टी लगाने के निर्देश- कलेक्टर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। कलेक्टर पार्थ



जायसवाल ने लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के तहत समय- सीमा में विभिन्न विभागों द्वारा दी जाने वाली सेवाएं हितग्राही को नहीं मिलने पर संबंधित पंचायत सचिवों पर 500 रूपए प्रतिकेश पैनाल्टी लगाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जन विश्वास अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त होने वाली शिकायतों तथा सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के प्रकरणों का निराकरण 80 प्रतिशत से कम नहीं होना चाहिए अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी सुश्री अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर श्री दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का, श्री अंकित ऊके सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विधिक माप विज्ञान विभाग में मनाया गया 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह'; अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) द्वारा जारी दिशा-



निर्देशों एवं शासनादेश के अनुपालन में कार्यालय नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान, उत्तर प्रदेश (लखनऊ) में 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के अंतर्गत विचार गोष्ठी एवं सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अपने दैनिक दायित्वों के निर्वहन में पूर्ण पारदर्शिता, शुचिता एवं ईमानदारी बनाए रखने तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए निर्बाध रूप से कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। विचार संगोष्ठी का आयोजन उपनियंत्रक (लखनऊ जोन) लव कुमार पांडे तथा उपनियंत्रक (कानपुर जोन) मुकेश कुमार की संयुक्त उपस्थिति में संपन्न हुआ। संगोष्ठी में विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, संवेदनशील एवं जनहितैषी बनाने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के वरिष्ठ निरीक्षक, निरीक्षक तथा अन्य विभागीय कार्मिक उपस्थित रहे।

वाराणसी में आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका ने पर्व की दी बधाई, प्रेम, विश्वास और पारिवारिक एकता का संदेश दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। हरहुआ। शिवपुर भारतीय संस्कृति और परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाले करवा



चौथ के पावन पर्व पर आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने समस्त देशवासियों, माताओं, बहनों और सुहागिन महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने इस पावन अवसर पर सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए पर्व को प्रेम, विश्वास, समर्पण और पारिवारिक एकता का प्रतीक बताया। आशा यादव ने कहा कि करवा चौथ भारतीय संस्कृति की उन महत्वपूर्ण परंपराओं में से एक है, जो पति-पत्नी के बीच प्रेम, आपसी विश्वास और समर्पण की भावना को मजबूत करती है। यह पर्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के प्रति जिम्मेदारी, रिश्तों की अहमियत और एक-दूसरे के प्रति सम्मान का संदेश भी देता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखमय जीवन की कामना करते हुए पूरे विधि-विधान से व्रत रखती हैं तथा शाम को चंद्रमा के दर्शन और पूजन के बाद व्रत का पारण करती हैं। उन्होंने कहा कि करवा चौथ का पर्व भारतीय समाज की सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक मूल्यों को सहेजने का अवसर प्रदान करता है। त्योहार हमारी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के करीब लाने का भी कार्य करते हैं। ऐसे अवसरों पर हमें अपने परिवार, समाज और आसपास के लोगों के प्रति प्रेम, सद्भाव तथा सहयोग की भावना को और मजबूत करना चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण पर जोर:- आशा यादव ने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाएं परिवार की आधारशिला होने के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाओं का सम्मान, उनकी सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना प्रत्येक व्यक्ति और समाज की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक होती है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग तक खुशियां पहुंचें। जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना, गरीब बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना और महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहारों के अवसर पर आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना के साथ जीवन व्यतीत करें। सामाजिक सेवा के प्रति प्रतिबद्ध है फाउंडेशन:-आशा यस ए-वन फाउंडेशन की संस्थापिका आशा यादव ने कहा कि संस्था सामाजिक सेवा, जरूरतमंदों की सहायता और गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से निरंतर प्रयासरत है।

उनका मानना है कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आना चाहिए, ताकि प्रत्येक व्यक्ति सम्मान के साथ जीवन जी सके।

उन्होंने करवा चौथ के पावन पर्व पर सभी के जीवन में खुशहाली, प्रेम और सकारात्मकता बनी रहने की कामना की। साथ ही कहा कि भारतीय संस्कृति की परंपराओं को बनाए रखते हुए समाज में आपसी सम्मान, सद्भाव और मानवता की भावना को मजबूत करना हम सभी का कर्तव्य है।

रायबरेली में पीएम-किसान योजना की 24वीं किस्त वितरण का मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर में आयोजित

जनपद के 4,00,896 किसानों के खातों में अंतरित हुई लगभग 80.17 करोड़ रुपये की धनराशि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान)



योजना की 24वीं किस्त के वितरण के अवसर पर जनपद



रायबरेली का मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, दरियापुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने बनासकांठा, गुजरात से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम-किसान योजना की 24वीं किस्त जारी किए जाने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा तथा प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। मुख्य कार्यक्रम में लगभग 200 किसानों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने बताया कि योजना की 24वीं किस्त के अंतर्गत जनपद के 4,00,896 किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है। इसके तहत लगभग 80.17 करोड़ रुपये की धनराशि सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की गई। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों को खेती-किसानी की आवश्यकताओं के लिए समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने अपने संबोधन में कहा कि किसानों की समृद्धि ही विकसित भारत की आधारशिला है। जिला उपाध्यक्ष अभिषेक वर्मा ने बताया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत कम करने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने किसानों से कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्य कार्यक्रम के अतिरिक्त जनपद के सभी विकास खंड मुख्यालयों एवं कृषि समृद्धि केंद्रों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां किसानों ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा।

इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि यंत्रीकरण सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दरियापुर के अध्यक्ष डॉ. के.के. सिंह, भूमि संरक्षण अधिकारी



जे.पी. यादव सहित कृषि विभाग, उद्यान विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

वाराणसी-दिल्ली के बीच दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस,लग्जरी सुविधाएं और सुरक्षा फीचर जीतेंगे यात्रियों का दिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ/वाराणसी। पीएम मोदी की संसदीय क्षेत्र वाराणसी



पूर्वांचल से देश की राजधानी दिल्ली तक सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। वाराणसी- नई दिल्ली के बीच अत्याधुनिक वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस शुरू करने की तैयारी है। इस ट्रेन में यात्रियों को लग्जरी सुविधाओं के साथ आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 31 अक्टूबर को बनारस स्टेशन पर आयोजित समारोह में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। रेल मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, ट्रेन संख्या 27421/27422 वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन दोनों दिशाओं में संचालित होगी। वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन रात 8:50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:10 बजे राजधानी पहुंचेगी। करीब 760 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन का सफर रात में आरामदायक बनाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। रास्ते में ट्रेन प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ और गाजियाबाद जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव लेगी। ट्रेन का प्राथमिक रखरखाव वाराणसी में और द्वितीयक अनुरक्षण नई दिल्ली में किया जाएगा। प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल में पानी भरने की व्यवस्था भी की डिजाइन गति के अनुरूप तैयार किया गया है, हालांकि वास्तविक परिचालन गति रेलवे के निर्धारित मानकों पर निर्भर करेगी। यात्रियों की सुरक्षा के लिए इसमें स्वदेशी कवच सुरक्षा प्रणाली, स्वचालित दरवाजे, सीलबंद वेस्टिब्यूल, आग का पता लगाने वाली प्रणाली और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आपात स्थिति में यात्री टॉक-बैक सिस्टम के जरिए ट्रेन कर्मचारियों से संपर्क कर सकेंगे। इसके अलावा आधुनिक पेंट्री और स्वच्छता के लिए विशेष इंतजाम भी किए गए हैं। ट्रेन में खानपान की सुविधा मिलने से यात्रियों का सफर और सुविधाजनक होगा।

31 अक्टूबर को प्रस्तावित शुभारंभ के साथ वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस काशी और दिल्ली के बीच रेल यात्रा को नई



रहेगी। वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस में कुल 16 वातानुकूलित कोच होंगे, जिनमें 11 थर्ड एसी, चार सेकंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच शामिल होगा। इसमें एक साथ करीब 823 यात्री सफर कर सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए आरामदायक कुशन वाली बर्थ और आधुनिक सस्पेंशन प्रणाली लगाई गई है, जिससे यात्रा के दौरान झटकों और शोर को कम करने में मदद मिलेगी। ट्रेन को 180 किलोमीटर प्रति घंटे पहचान देने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है। इससे व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और अन्य यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। यात्रियों को यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक समय-सारिणी और परिचालन संबंधी अंतिम सूचना अवश्य जांचनी चाहिए।

इस आशय की जानकारी मण्डल रेल प्रबन्धक लखनऊ के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को दी।

रेल कर्मचारियों की समस्याओं और स्वास्थ्य सुविधाओं पर मंथन, प्रेम बैठक में उठे अहम मुद्दे,लखनऊ में डीआरएम की अध्यक्षता में हुई बैठक,अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में रेल कर्मचारियों



की समस्याओं, कार्य परिस्थितियों और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर प्रेम (रेल कर्मचारियों की सहभागिता) बैठक आयोजित की गई। मंडल कार्यालय स्थित गंगोत्री सभागार में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में परिचालन एवं रनिंग कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान रेल कर्मचारियों की कार्य संबंधी समस्याओं, उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विषय प्रमुखता से उठाए गए। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने यूनियन पदाधिकारियों की ओर से प्रस्तुत मुद्दों को सुना और कर्मचारियों के कल्याण, समस्याओं के समाधान तथा कार्य परिस्थितियों में सुधार को लेकर विचार-विमर्श किया। बैठक में कर्मचारियों की जरूरतों और उनकी कार्य संबंधी चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों को प्रमुखता दी गई। रेलवे प्रशासन और यूनियन पदाधिकारियों के बीच हुई इस चर्चा का उद्देश्य कर्मचारियों की समस्याओं को सामने लाना और उनके समाधान की दिशा में विचार करना रहा। बैठक का संचालन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, बादशाह नगर, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रास्ट्रक्चर), अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) सभीशाखाधिकारी, यूनियन पदाधिकारी और रेल कर्मचारी मौजूद रहे।बैठक के संबंध में पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने मीडिया को जानकारी दी।

अर्नब चक्रवात एवं असामयिक वर्षा से फसल क्षति होने पर 72 घंटे के अंदर दर्ज कराएं शिकायत

फसल बीमा कराने वाले किसान टोल फ्री नंबर 14447 पर दें सूचना, तहसीलवार बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के मोबाइल नंबर जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला कृषि अधिकारी, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में अर्नब चक्रवात एवं असामयिक वर्षा के कारण खरीफ की फसलों को क्षति होने की संभावना के दृष्टिगत जनपद के समस्त कृषक बंधुओं, विशेषकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित कृषकों को सूचित किया जाता है कि यदि उनकी फसलों को किसी प्रकार की क्षति होती है, तो आपदा के दौरान 72 घंटे के अंदर टोल फ्री नंबर 14447 पर फसल क्षति की शिकायत अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। इससे क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वेक्षण कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा कराया जा सकेगा तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी।



कृषक बंधुओं से अनुरोध किया है कि फसल बीमा एवं फसल क्षति से संबंधित अन्य आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए अपनी तहसील से संबंधित फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों से संपर्क कर सकते हैं। कृषकों की सुविधा के लिए तहसीलवार बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के नाम एवं मोबाइल नंबर निम्नवत हैं:- गणेश प्रसाद, जिला प्रतिनिधि/तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील रॉबर्ट्सगंज मोबाइल नंबर: 8097657731, प्रशान्त कुमार शुक्ला, तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील दुद्धी मोबाइल नंबर: 6392589818। विकास कुमार पाण्डेय, तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील ओबरा मोबाइल नंबर: 7897827083। राकेश कुमार मौर्या, तहसील कोऑर्डिनेटर, तहसील घोरावल मोबाइल नंबर: 9415074954। जिला कृषि अधिकारी ने कृषकों से अपील की है कि फसल क्षति होने की स्थिति में निर्धारित समयसीमा के भीतर शिकायत अवश्य दर्ज कराएं तथा फसल बीमा से संबंधित आवश्यक जानकारी के लिए संबंधित तहसील के प्रतिनिधि से संपर्क करें, ताकि फसल क्षति के सर्वेक्षण एवं नियमानुसार मुआवजे की प्रक्रिया में आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

डीएम व एसपी ने पीईटी-2026 के विभिन्न परीक्षा केंद्रों निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा,जनपद के 24 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई परीक्षा

दोनों पालियों में कुल 19488 पंजीकरण के सापेक्ष 13144 उपस्थित एवं 6344 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद रायबरेली में



उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 को सुचारु, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने फिरोजगांधी डिग्री कालेज, रेयांन इंटरनेशनल स्कूल, जीआईसी सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनपद में पीईटी-2026 की परीक्षा आज कुल 24 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों द्वारा भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई। जिलाधिकारी



एवं पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के सफल संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।पीईटी-2026 की प्रथम पाली में कुल 9,744 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 6622 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 3122 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में भी कुल 9,744 पंजीकृत परीक्षार्थियों के सापेक्ष 6522 परीक्षार्थी उपस्थित रहे तथा 3222 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 19,488 पंजीकरण के सापेक्ष 13144 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 6344 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा सके। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल का भारत की राजनीति और राष्ट्र-निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक योगदान रहा

सरदार वल्लभभाई पटेल की 151 वीं जयंती के पूर्व संध्या

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)नैनी/प्रयागराज। लौह पुरुष ,भारत रत्न, किसानों के मसीहा, अखंड भारत के रचयिता एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक श्रेष्ठ भारत के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल की 151 वीं जयंती के पूर्व संध्या के अवसर पर सुमित्रा देवी ग्रामीण सेवा संस्थान के तत्वाधान में नंदन तालाब मे चौपाल का आयोजन किया गया। सभी उपस्थित बच्चे- बूढ़े और नौजवान ने सर्वप्रथम उनके पोर्ट्रेट चित्र पर आरती उतारी। इस अवसर पर सुविख्यात समाजसेवी व भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविन्दर सिंह ने कहा कि भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है देश की रियासतों का एकीकरण कर एक सूत्र में पिरोने मे सरदार वल्लभभाई पटेल का भारत की राजनीति और राष्ट्र-निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक योगदान रहा है। उन्हें भारत के 'लौह पुरुष' और 'राजनीतिक एकीकरण के जनक' के रूप में जाना जाता है। कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत का राजनीतिक एकीकरण (560 से अधिक रियासतों का विलय) 1947 में जब देश आज़ाद हुआ, तब भारत छोटे-बड़े लगभग 565 से अधिक स्वतंत्र देशी रियासतों में बंटा हुआ था। सरदार पटेल ने अपनी असाधारण कूटनीति, संवाद और दृढ़ इच्छाशक्ति से लगभग सभी रियासतों को भारतीय संघ में शांतिपूर्वक मिलाया। जहाँ कूटनीति काम नहीं आई (जैसे जूनागढ़ और हैदराबाद), वहाँ उन्होंने कठोर और निर्णायक कदम उठाए। सौरभ यादव ने कहा कि आज़ादी के बाद 1947 से 1950 तक उन्होंने देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। देश के विभाजन के बाद उत्पन्न शरणार्थी समस्या, आंतरिक सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौतियों को संभालने में उनकी मुख्य भूमिका रही।तेजस यादव,परी पांडे ,सोहेल अहमद,यथार्थ मिश्रा,योगेन्द्र पांडे, मन्नत मिश्रा,नीलेश चतुर्वेदी, सुमित सिंह कृष्ण शर्मा आर्य,सौरव यादव सरदार पतविंदर सिंह,संजय श्रीवास्तव सहित कई सामाजिक राजनीतिक गणमान्यजन लोगों ने अपने विचार रखें।



खनन बैरियर से बचने के लिए गलत तरिके से वाहन को हाइवे पर पार्क करने वाले ट्रक मालिक व उनके चालकों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में चलाया गया। टोल प्लाजा के पास खनन बैरियर से बचने के



यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने तथा स्टेट हाईवे-05 पर अनाधिकृत रूप से ट्रक खड़े कर जाम की स्थिति उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु दिए गए निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुश्री मेविस टॉक, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा एवं क्षेत्राधिकारी यातायात सुधीर सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक यातायात नरेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान उद्देश्य से ट्रकों को हाईवे पर अनाधिकृत रूप से खड़ा कर यातायात बाधित किए जाने का मामला प्रकाश में आया। उक्त कारण से शक्तिनगर की ओर से आने वाले वाहनों को जाम का सामना करना पड़ा तथा एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई थी। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए जाम खुलवाकर यातायात को सुचारु कराया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक यातायात द्वारा 16 वाहन स्वामियों एवं 16 चालकों सहित कुल 32 व्यक्तियों के विरुद्ध थाना रॉबर्ट्सगंज पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया।

Operation Conviction:सोनभद्र पुलिस की प्रभावी पैरवी से दोष सिद्ध अभियुक्त को 07 वर्ष का कारावास एवं रु18,000/- अर्थदण्ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रीमान पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन, श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक, विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मिर्जापुर के कुशल पर्यवेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे 'Operation Conviction' अभियान के क्रम में सोनभद्र पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। सोनभद्र पुलिस द्वारा प्रभावी विवेचना, सुदृढ़ साक्ष्य संकलन एवं अभियोजन पक्ष की प्रभावी न्यायालयीन पैरवी के फलस्वरूप थाना अनपरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-401/2007 धारा 306, 498ए, 506 भादवि से सम्बन्धित अभियोग में माननीय न्यायालय सोनभद्र द्वारा अभियुक्त संतोष पनिका पुत्र स्व0 जवाहर पनिका निवासी डिबुलगंज थाना अनपरा जनपद सोनभद्र को दोषसिद्ध करते हुए 07 वर्ष के साधारण कारावास एवं 18 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण का विवरण:-थाना - अनपरा, जनपद सोनभद्र,मु0अ0सं0 - 401/2007,धारा -धारा 306, 498ए, 506 भादवि दोषसिद्ध अभियुक्त का विवरण-संतोष पनिका पुत्र स्व0 जवाहर पनिका निवासी डिबुलगंज थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। माननीय एएसजे/ एफटीसी/सीएडब्लू न्यायालय सोनभद्र द्वारा दोषसिद्ध अभियुक्त को– धारा 306 भादवि में सात वर्ष के साधारण कारावास व दस हजार रुपये के अर्थदण्ड, धारा 498ए भादवि में दो वर्ष के साधारण कारावास एवं पांच हजार रुपये के अर्थदण्ड तथा धारा 506 भादवि में एक वर्ष के साधारण कारावास व तीन हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त अभियोग में थाना अनपरा पुलिस द्वारा की गई प्रभावी विवेचना, साक्ष्यों का सुदृढ़ संकलन, अभियोजन अधिकारी द्वारा की गई प्रभावी न्यायालयीन पैरवी, कोर्ट मोहर्रिर के समन्वय तथा जनपद मॉनिटरिंग सेल द्वारा की गई सतत निगरानी एवं प्रभावी अनुश्रवण के परिणामस्वरूप अभियुक्त को दोषसिद्ध कराते हुए माननीय न्यायालय से प्रभावी सजा सुनिश्चित कराई।

घर में गड़े 5 करोड़ का राज तलाशने टीमें पहुंचीं प्रयागराज

प्रयागराज। घर के अंदर जमीन में गाड़कर रखे गए 5 करोड़ रुपए का राज गहराता जा रहा



है। जमीन के अंदर और कितनी नकदी छिपी है, इसका पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार लगाया गया है। पुलिस के साथ आयकर विभाग और बैंक अधिकारियों की टीमें जांच कर रही हैं। जांच के दौरान शुक्रवार को घर के अंदर चार बंद बक्से मिले हैं। इन पर ताले लगे हैं।अब तक की जांच में सामने आया है कि नवाबगंज निवासी राजेश और राकेश करोड़ों रुपए की नकदी पुणे से प्रयागराज लाकर ड्रमों में भरते थे और फिर उसे जमीन में गाड़ देते थे। दोनों भाइयों से पूछताछ के बाद एक टीम को पुणे भी भेजा गया है। दोनों भाई कई साल तक पुणे के एक सर्राफा कारोबारी के यहां काम करते रहे थे। कोविड के दौरान वे प्रयागराज लौट आए। आशंका है कि इसी दौरान करोड़ों रुपए की नकदी यहां लाई गई। जांच एजेंसियों को आशंका है कि तीन ड्रमों के अलावा परिवार ने घर, बाग, खाली जमीन या किसी अन्य मकान में भी नोटों की गड्डियां छिपाकर रखी हो सकती हैं। डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया-'राकेश के घर में जमीन के नीचे दबाए गए तीन ड्रमों से करोड़ों रुपए मिले हैं। मौके पर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। मामले की जांच के लिए लखनऊ से आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन टीम पहुंची है। एक टीम को पुणे भी भेजा गया है।'

'सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा'

थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार व्यक्ति के रु4,000/- वापस कराए गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक



सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी शक्तिनगर के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस टीम द्वारा साइबर धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति की धनराशि वापस कराई गई। प्रकरण में आवेदक के साथ किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्रॉड कर धनराशि अपने खाते में ट्रांसफर करा ली गई थी। इसकी सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक से पत्राचार कर फ्रॉड की धनराशि को होल्ड कराया गया तथा एमआरएम पोर्टल के माध्यम से रु4,000/- की संपूर्ण धनराशि आवेदक के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। धनराशि वापस मिलने पर आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं साइबर क्राइम पुलिस थाना शक्तिनगर के अधिकारी/कर्मचारीगण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया। बरामद/वापस कराई गई धनराशि - रु4,000/- धनराशि वापस कराने वाली पुलिस टीम का विवरण-प्रभारी निरीक्षक श्री सतेन्द्र कुमार राय, थाना शक्तिनगर, सोनभद्र। उ0नि0 श्री रणजीत कुमार, थाना शक्तिनगर, सोनभद्र। म0का0 नीलम सिंह, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र।

साइबर सुरक्षा संबंधी अपील- किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, बैंक खाता संख्या, नेट बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं ओटीपी साझा न करें। किसी भी परिचित के नाम या मोबाइल नंबर से आने वाले संदिग्ध कॉल एवं संदेशों के प्रति सतर्क रहें। साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा वेबसाइट श्म्ब्म्स्.द्न.ह्व पर शिकायत दर्ज कराएं या नजदीकी थाने में सूचना दें।

कानपूर में रिक्शा-चालक के बेटे ने 4 लाख फेक ई-मेल आईडी बेचा,एटीएस की शिकंजे में आया तो रोने लगा

मां बोली- कहता था गेम खेल रहा हूं

कानपुर। मेरे लीवर में छेद हो गया था, मेरा बच्चा इलाज कराता थाष्ठअब कैसे होगा इलाज ? पिता ने रिक्शा चलाकर उसे पढ़ाया कि बुढ़ापे का सहारा बनेगा, लेकिन पुलिस उसे उठाकर ले गई। मेरा बेटा डिजिटल मार्केटिंग का काम करता था, वह आतंकी गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता। यह कहना था कानपुर में एटीएस की गिरफ्त में आए 12वीं पास अंकित संखवार की मां सावित्री का। मां ने कहा- बेटे से पूछने पर कहता था कि गेम खेल रहा हूं। वह रात में लैपटाप पर काम करता था। पिता प्रहलाद ने कहा- मेरा बेटा ऐसा नहीं कर सकता। उसने 6 महीने पहले ही गोविंदनगर से पुराना लैपटॉप किस्तों में खरीदा था। बता दें 24 अक्टूबर को कानपुर से यूपी एटीएस ने बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले आरोपी को अरेस्ट किया है। उसने ईमेल से यूपी, दिल्ली, गुरुग्राम के स्कूलों में और एक्टर दिलजीत दोसांझ को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भेजे थे। पकड़े जाने के बाद आरोपी रोने लगा। यूपी एटीएस ने बताया- आरोपी पाकिस्तान, बांग्लादेश, तुर्की, इजिप्ट, यूएसए जैसे देशों में बैठे लोगों को फर्जी ईमेल आईडी बनाकर बेचता था। जिनका इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों में शामिल किया जाता था। उसने 4 लाख से अधिक फेक ईमेल आईडी बेची थीं, जांच में सामने आया कि प्रत्येक ईमेल आईडी के बदले उसे 20 से 50 डॉलर मिलते थे। मां के लीवर में छेद, आंखों में मोतियाबिंदः- अंकित की मां सावित्री ने रोते हुए कहा- आखों में मोतियाबिंद भी है। बेटा ही शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल से इलाज करा रहा था। उन्होंने कहा- अब मेरा इलाज कौन कराएगा। परिवार को भरोसा ही नहीं था कि उनका बेटा इस तरह की देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गया था। सावित्री ने सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन शनिवार को सादी वर्दी में दो युवक आए और पूछताछ के लिए ले जाने की बात कही थी। लेकिन छह दिन से उसका कुछ पता नहीं चल सका है। थाने चौकी के भी चक्कर काट लिए। मेरा बेटा निर्दोष है, उसे बर्रा के दोस्त ने फंसाया है। 2025 में मिला था पीएम आवास योजना से घरः- सजेती थानाक्षेत्र के ग्राम अनोईया निवासी प्रहलाद संखवार 4 साल पहले कानपुर आ गए थे। पहले वह बर्रा के दामोदर नगर में किराए में रहते थे।



उन्होंने 20 जुलाई 2025 को 2 लाख रुपए में सेन पश्चिमपारा थानाक्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना में ब्लॉक 5 में एक कमरा लिया था। इसमें प्रहलाद, उनकी पत्नी सावित्री, छोटा बेटा आरोपी अंकित रहता है। प्रहलाद रिक्शा चलाते हैं, जबकि उनकी पत्नी सावित्री मजदूरी करती है। वहीं, ब्लॉक तीन में उनका उनका बड़ा बेटा अतीत, पत्नी ममता और दो बच्चों के साथ किराए की कॉलोनी लेकर रहता है। उनका मंझला बेटा धर्मेंद्र अरुणाचाल प्रदेश में नगर निगम में संविदा में कार्यरत है। पिता प्रहलाद ने बताया- अंकित ने वर्ष 2020 में इंटर पास किया था। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उसने आगे पढ़ाई नहीं की। फिर वह मजदूरी करने लगा था। पैसे जोड़कर उसने एक वर्ष 2021 में स्कूटी ली थी। वह अक्सर सुबह नौ बजे से दोपहर 3:30 बजे तक फोन में लगा रहता था। पूछने पर शेयर मार्केट में पैसा लगाने की बात कहता था। भाभी ममता ने बताया कि उसने कई बार शेयर मार्केट में पैसा लगाया, लेकिन उसे कभी मुनाफा नही हुआ। जिसके बाद वह इन सब तरह की गतिविधियों में शामिल हो गया। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि यूपी एटीएस को जानकारी मिली कि थी simenbriones9265@gmail.com से गौतमबुद्ध नगर, यूपी, दिल्ली, गुरुग्राम के विभिन्न स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल भेजे जा रहे थे, जिसमें खालिस्तान नेशनल आर्मी, बब्बर खालसा द्वारा विभिन्न प्रदेशों के स्कूलों, पंजाबी सिंगर व एक्टर दिलजीत दोसांझ के दिल्ली में प्रस्तावित शो और उनके घर पर बम धमाका करने की धमकी भरे ई-मेल थे। जिसके बाद एटीएस ने ई-मेल की जांच शुरू की तो पता चला कि ईमेल आईडी का एक्सेस का मास्टरमाइंड अंकित संखवार के पास है। जो कानपुर के घाटमपुर थानाक्षेत्र के अनोईया गांव निवासी प्रहलाद का बेटा है।पुलिस कमिश्नर ने बताया- अंकित वाईफाई और प्रॉक्सी नेटवर्क का प्रयोग कर फेक ई-मेल आईडी बनाता था, जो कि पाकिस्तान, बांग्लादेश समेत अन्य देशों में बैठे भारत विरोधी तत्वों को बेच रहा था और बदले में क्रिप्टोकरेंसी के जरिए भुगतान प्राप्त करता था। गुप्त जानकारी हासिल होने पर यूपी एटीएस ने बुधवार को छापेमारी कर अंकित संखवार को अरेस्ट कर लिया। एटीएस ने आरोपी के पास से मोबाइल, लैपटाप बरामद किया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी के मोबाइल और लैपटाप से कई एक्सेल फाइल व क्रिप्टो वॉलेट भी मिले है। लैपटाप से मिली एक्सल फाइलों को खंगाला, तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। जांच में सामने आया कि आरोपी ने प्राक्सी नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए 4 लाख से अधिक फेक ई-मेल आईडी बनायी थी। अंकित ने पूछताछ में बताया- वह वर्ष 2021 से फेक ई-मेल आईडी बनाने का काम कर रहा है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि गुरुग्राम, दिल्ली और नोएडा के स्कूलों में जिस फेक आईडी से धमकी भरे मैसेज भेजे गए थे, वो मेल आईडी भी लैपटॉप से मिली। इसके साथ ही एक अन्य फेक मेल आईडी smithjohnson6889@gmail.com भी मिली जिससे 23 अक्टूबर को मुंबई मेयर ऑफिस को भी उड़ाने की धमकी भी दी गई थी। इस तरह ई-मेल आईडी को बेचता था आरोपीः-पकड़े गए आरोपी अंकित ने बताया- फेक ई-मेल को वह फेसबुक पर Buy and Sell ग्रुपों से जुड़कर बेचता और खरीदता था। इन फेक आईडी को ग्रुप के जरिए से ही पाकिस्तान, बांग्लादेश, तुर्की, एजिप्ट समेत अन्य देशों के ग्रुपों से जुड़े लोगों से मिल गया था। बाहरी देशों में बैठे यह लोग भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। अंकित ने बताया कि फेक मेल आईडी एक एक्सेल शीट में भेजता था। जिसमें ईमेल आईडी, उसका पासवर्ड, रिकवरी मेल व टू फैक्टर कोड होता था। बांग्लादेश के युवक को 6000 यूएसटीडी में दी थी फेक आईडीः- अंकित ने बताया- फेसबुक और वाटस्एप के जरिए बांग्लादेशी युवक अलामीनइस्लाम उर्फ अलामीन से जुड़ गया था, जिसमें फर्जी ईमेल आईडी उपलब्ध कराने को कहा था। जिसके बाद अंकित ने simenbriones9265@gmail.com फेक आईडी दी थी, इस फेक ईमेल के जरिए बदले में 6000 यूएसटीडी (क्रिप्टोकरेंसी) का भुगतान भी किया गया था। इसके सबूत अंकित के मोबाइल से एटीएस को मिले हैं।अंकित ने बताया कि simenbriones9265@gmail.com आईडी अलामीन को ही भेजी थी, जिसका इस्तेमाल 12 अक्टूबर को विभिन्न स्कूलों में धमकी भरे मैसेज भेजने मे किया गया था। साथ ही smithjohnson6889@gmail.com मेल आईडी से 23 अक्टूबर को मुंबई के मेयर हाउस में धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। इन दोनों मेल आईडी का पासवर्ड, रिकवरी मेल व टू फैक्टर कोड एक्सेल सीट में बांग्लादेशी नागरिक अलामीन को वाट्सएप पर भेजा गया था। पुलिस कमिश्नर ने बताया- अंकित के वाट्सएप के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, इजिप्ट, टर्की, यूएसए के लोगों से जुड़ा हुआ था। इसके साथ ही विदेशी नंबरों से भारी मात्रा में यूएसटीडी का ट्रांजेक्शन भी एटीएस को मिला है। एटीएस की जांच में सामने आया कि अंकित को एक फेक ईमेल आईडी के बदले में 20 से 50 डॉलर तक का भुगतान होता था, जिसके सबूत भी एटीएस को मिले है।

ए. जी. ऑफिस के सात (7) कर्मचारी सेवानिवृत हुए,गेट पर दी गई विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। कार्यालय महालेखाकार के माह अक्टूबर-2026 में सात (7) सेवानिवृत कर्मचारियों का विदाई समारोह



गेट पर दिनांक 30.10.2026 दिन शुक्रवार को संपन्न हुआ। सेवानिवृत कर्मचारी/अधिकारी आलोक जैन वरिष्ठ लेखाधिकारी,शिव नरेश गुप्ता सहायक पर्यवेक्षक ,श्रीराम वर्मा सहायक पर्यवेक्षक, रमेश कुमार पर्यवेक्षक,श्याम किशोर पर्यवेक्षक, आमोद गर्ग वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, योगेश कुमार सिंह सहायक पर्यवेक्षक को फूल माला एवं अंग वस्त्रम शाल ओढ़ाकर विदाई किया गया। विदाई कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय लोक सेवार्थ संगठन प्रयागराज के संयोजक ओम प्रकाश गुप्ता जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रकाश अध्यक्ष कोऑपरेटिव सोसाइटी,मनोज कुमार श्रीवास्तव पूर्व अध्यक्ष, अजय कृष्ण मिश्रा वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी,विजय कुमार श्रीवास्तव पूर्व उपाध्यक्ष ऑडिट, बिनोद उपाध्याय पूर्व अध्यक्ष,राजू मिश्रा पूर्व डायरेक्टर, अनिल दास पूर्व उपाध्यक्ष, अमित सिंह सचिव मनोरंजन क्लब ऑडिट,सगीर अहमद, पंकज मालवीय, रजनीकांत विद्यार्थी वरिष्ठ लेखाधिकारी, जितेंद्र कुमार वरिष्ठ लेखाधिकारी,कृपाशंकर सिंह, कुलदीप कुमार,अनूप कुमार टंडन वरिष्ठ लेखाधिकारी,आत्म प्रकाश सिंह डायरेक्टर,चंद्रशेखर सिंह डायरेक्टर का रहा। श्री लक्ष्मी कांत त्रिपाठी,सतीश राय ,ज्ञान चंद्र, सुजीत चंद्रा, देशराज सिंह,विनोद कुमार श्रीवास्तव, नीरज श्रीवास्तव,वेo वेo सिंह,विमल पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव, ललित श्रीवास्तव,प्रतिभा श्रीवास्तव,सुबोध चंद्र प्रजापति,राम मिलन, माता प्रसाद,प्रदीप गुप्ता,राज कुमार यादव, शादाब रजा,संजय बहल,रमेश चंद्र गुप्ता, श्याम सुंदर दुबे, ,अर्जुन पाठक, राधेश्याम मौर्या, विजय कुमार नैयर,बलवंत राय मदान,सोहन लाल,राजेश गोयल,सुनील कुमार, फूल चंद्र,वीरेंद्र दयाल,विपिन यादव,रंजीत कुमार एवम अन्य साथियों का सहयोग रहा।

विदाई कार्यक्रम में कार्यालय के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड (व्यक्तिगत श्रेणी) के लिए 20 नवंबर तक करें आवेदन

सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 15 से 35 वर्ष के युवाओं को मिलेगा सम्मान, आवेदन की तीन प्रतियां जमा करना अनिवार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी, सोनभद्र द्वारा अवगत कराया गया है कि महानिदेशक, प्रांतीय रक्षक दल/विकास दल एवं युवा कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशानुसार प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए व्यक्तिगत श्रेणी के अंतर्गत राज्य स्तरीय विवेकानन्द यूथ एवार्ड प्रदान किया जाना है। इस पुरस्कार के माध्यम से सामाजिक कार्यों एवं राष्ट्रीय विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए विगत तीन वर्षों अर्थात 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2026 तक सराहनीय कार्य करने वाले युवाओं के प्रस्ताव जिलाधिकारी, सोनभद्र की अनुशंसा के साथ महानिदेशालय, लखनऊ को भेजे जाएंगे। खेलकूद, सामाजिक



वृक्षारोपण, परिवार कल्याण, अल्प बचत, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना व संचालन, जैविक खेती, सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रीय एकीकरण, साक्षरता, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य, अनुसंधान, कला, संस्कृति एवं साहित्य, मानवाधिकारों को बढ़ावा देने, पर्यटन, पारंपरिक चिकित्सा, सक्रिय नागरिकता, सामुदायिक सेवा, खेल एवं शैक्षिक उत्कृष्टता तथा स्मार्ट लर्निंग सहित अन्य निर्धारित क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की पात्रता एवं आवश्यक शर्तों के संबंध में उन्होंने बताया कि आवेदक उत्तर प्रदेश का नागरिक होना चाहिए तथा नामांकन के वर्ष की 01 जनवरी को उसकी आयु 15 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक द्वारा निर्धारित तीन वित्तीय वर्षों में संबंधित क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं प्रमाणित कार्य किया गया हो। यह पुरस्कार किसी व्यक्ति को उसके जीवनकाल में केवल एक बार प्रदान किया जाएगा। केंद्र एवं राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों तथा कॉलेजों आदि में सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होंगे। इच्छुक एवं पात्र युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित प्रस्ताव प्रारूप में संबंधित कार्यों के साक्ष्यों सहित अपना आवेदन मूल रूप में तीन प्रतियों में बुकलेट फॉर्मेट में दिनांक 20 नवंबर, 2026 तक जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, सोनभद्र, कमरा संख्या-68 में अनिवार्य रूप से जमा करना सुनिश्चित करें।

89 करोड़ का टैक्स दबाकर बैठे 11,567 वाहन स्वामी, नोटिस और आरसी के बाद भी नहीं जमा कर रहे बकाया

31 अक्टूबर को पेनाल्टी में छूट के लिए परिवहन विभाग में लगेगा विशेष कैंप, बड़े बकायेदारों पर भी विभाग की नजर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में वाहन टैक्स



की बकायेदारी का आंकड़ा 89 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हैरानी की बात यह है कि 11,567 वाहन स्वामियों पर टैक्स बकाया होने के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इसे जमा करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। परिवहन विभाग की ओर से बकायेदारों को नोटिस जारी किया जा चुका है। इसके बाद भी टैक्स जमा नहीं करने वालों के खिलाफ तहसील के माध्यम से आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) तक जारी की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद बकाया वसूली की रफ्तार संतोषजनक नहीं है। बकाया वसूली में तेजी लाने और वाहन स्वामियों को राहत देने के उद्देश्य से परिवहन विभाग की ओर से 31 अक्टूबर 2026 को विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा। कैंप परिवहन विभाग, सोनभद्र कार्यालय परिसर में लगेगा। इसमें शासन की ओर से निर्धारित व्यवस्था के तहत बकाया वाहन टैक्स की पेनाल्टी में छूट का लाभ लेने और बकाये का निस्तारण करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। परिवहन विभागीय के आंकड़ों के मुताबिक बड़े बकायेदारों में सौरभ सिंह, बालाजी मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड की पांच गाड़ियां, नीलम ग्रुप, आशुतोष कुमार पाठक, अभिषेक और नीरज कुमार के नाम शामिल हैं। इन बकायेदारों पर विभाग की विशेष नजर है। विभाग की ओर से पहले ही नोटिस जारी कर बकाया जमा करने के लिए कहा जा चुका है, लेकिन कार्रवाई के बावजूद कई वाहन स्वामियों ने अब तक टैक्स जमा नहीं किया है।एआरटीओ कौशल कुमार सिंह ने बताया कि बकाया टैक्स की वसूली को लेकर विभाग गंभीर है। वाहन स्वामियों को नोटिस जारी करने के साथ ही बकायेदारों के खिलाफ आरसी भी जारी कराई जा चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिलाधिकारी से मिलकर आरसी जारी होने के बाद भी बकाया जमा नहीं करने वाले वाहन स्वामियों के विरुद्ध नीलामी और कुर्की जैसी प्रभावी कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने सभी बकायेदारों से अपील की कि 31 अक्टूबर को आयोजित विशेष कैंप में पहुंचकर पेनाल्टी में छूट का लाभ लें और अपने बकाया टैक्स का भुगतान कराएं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण, वृद्धजनों को उनके अधिकारों एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

डायट परिसर में आयोजित हुआ संविधान संवाद नोडल टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम, लगभग 60 नोडल शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद



न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेश के क्रम में आज दिनांक 30 अक्टूबर, 2026 को श्री राहुल, सिविल जज (सी0डि0)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया तथा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे तथा वृद्धाश्रम में कुल 46 वृद्धजन निवासरत पाए गए। इस अवसर पर सचिव द्वारा उपस्थित वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया गया कि वृद्धावस्था में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न नीतियां एवं कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने अभिभावकों एवं वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण से संबंधित कानूनों की जानकारी देते हुए बताया कि माता-पिता एवं दादा-दादी को अपने बच्चों से आवश्यकतानुसार भरण-पोषण भत्ता प्राप्त करने का कानूनी अधिकार है। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रावधानों तथा शासन द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन एवं चिकित्सा संबंधी योजनाओं के प्रति भी जागरूक किया गया। इसी क्रम में आज जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), सोनभद्र में संविधान संवाद नोडल टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री राहुल, सिविल जज (सी0डि0)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र, श्री शमशेर बहादुर सिंह, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलडीसी), श्री सत्यारमण त्रिपाठी, डिप्टी चीफ एलएडीसी, श्री जयप्रकाश, असिस्टेंट एलएडीसी, श्री अरुण कुमार यादव, शिक्षक संत कीनाराम विधि महाविद्यालय, श्री आशुतोष पाठक, शिक्षक मां भगवती विधि महाविद्यालय तथा सुश्री सांभवी पाण्डेय, शिक्षक विन्ध्य विधि महाविद्यालय सहित लगभग 60 नोडल शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों द्वारा नोडल शिक्षकों को संविधान संवाद कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही संविधान निर्माण, मौलिक अधिकार एवं संवैधानिक उपचार, मौलिक कर्तव्य, राज्य के अंग एवं चुनाव प्रक्रिया, निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, हेल्पलाइन नंबर तथा बच्चों के शिक्षा संबंधी कानूनों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

इसके अतिरिक्त संविधान संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के संबंध में भी नोडल शिक्षकों को अवगत कराया गया। उक्त जानकारी श्री राहुल, सिविल जज (सी0डि0)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गई।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत सत्यापन, आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी अद्यतन कराने के अपर जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभागार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में दो निःशुल्क एलपीजी सिलेंडर रिफिल उपलब्ध कराने की योजना के संचालन के संबंध में जनपद स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में तेल विपणन कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित करने, लाभार्थियों को सिलेंडर रिफिल एवं प्रतिपूर्ति धनराशि प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के समाधान तथा योजना की नियमित मॉनिटरिंग



पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी, लीड बैंक मैनेजर सोनभद्र, वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप-विज्ञान, समस्त पूर्ति निरीक्षकगण तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एवं हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के विक्रय प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक में योजना की समीक्षा करते हुए अपर जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पंजीकृत समस्त लाभार्थियों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही, सभी पंजीकृत लाभार्थियों के बैंक खातों की आधार सीडिंग तथा ई-केवाईसी की स्थिति अद्यतन कराई जाए, जिससे किसी भी पात्र लाभार्थी को योजना का लाभ प्राप्त करने में असुविधा न हो। उन्होंने दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को समयबद्ध तरीके से एलपीजी सिलेंडरों की होम डिलीवरी सुनिश्चित कराने के कड़े निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, सभी लाभार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन पूर्ण कराने के लिए गैस एजेंसियों के प्रोपराइटर एवं प्रबंधकों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने निष्क्रिय लाभार्थियों अथवा निष्क्रिय खातों की पहचान कर संबंधित सूची अद्यतन करने तथा लाभार्थियों को निःशुल्क सिलेंडर रिफिल प्राप्त करने की प्रक्रिया, निर्धारित तिथियों एवं पात्रता संबंधी शर्तों के बारे में जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराने पर भी जोर दिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजना का समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जनपद के प्रत्येक पात्र उज्ज्वला लाभार्थी को योजना का पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है



नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स





इसबगोल के 7 जादुई फायदे,कब्ज भगाए/वजन घटाए/ब्लड शुगर भी कंट्रोल करे-न्यूट्रिशनिस्ट से समझें इस फाइबर का साइंस

नयी दिल्ली। कब्ज हो, पेट साफ न हो रहा हो या पाचन बिगड़ा हुआ महसूस हो, ऐसे में भारतीय घरों में अक्सर एक ही नाम सबसे पहले लिया जाता है- इसबगोल। पश्चिमी एशिया में उत्पन्न होने वाला यह पौधा सदियों पहले भारत पहुंचा था और आज भारत दुनिया में इसबगोल का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है। वजन घटाने वाली दवा ओजेम्पिक और अन्य जीएलपी-1 दवाओं की बढ़ती लोकप्रियता के बीच सोशल मीडिया पर इसबगोल को 'नेचर का ओजेम्पिक' तक कहा जाने लगा है। दावा है कि यह भूख नियंत्रित करने और वजन कम करने में मदद करता है। 2023 में 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक रिव्यू के मुताबिक, 5 महीने तक भोजन से पहले औसतन 10.8 ग्राम इसबगोल लेने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में इसबगोल के हेल्थ बेनिफिट्स की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- इसबगोल शरीर में क्या काम करता है? इसे लेने का सही तरीका क्या है? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर-'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- इसबगोल (साइलम हस्क) क्या है? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- इसबगोल एक तरह का नेचुरल फाइबर है। यह 'प्लांटैगो ओवाटा' नाम के पौधे के बीज से तैयार किया जाता है। इसकी खास बात यह है कि पानी के संपर्क में आते ही यह अपने वजन से करीब 40 गुना तक पानी सोखता है और फूलकर जेल जैसा गाढ़ा हो जाता है। यह स्टूल को नरम बनाने और उसे आसानी से बाहर निकलने में मदद करता है। सवाल- इसबगोल की न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है? जवाब- इसबगोल की सबसे बड़ी खासियत इसका फाइबर कंटेंट है। इसमें अधिकांश हिस्सा डाइटरी फाइबर का होता है। यही वजह है कि इसे पाचन और गट हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसबगोल की न्यूट्रिशनल वैल्यूः- कार्बोहाइड्रेट-4 ग्राम, प्रोटीन-0 ग्राम, फैट-0 ग्राम, कैलोरी 30, आयरन-1फीसदी ऑफ डीवी, कैल्शियम-3फीसदी ऑफ डीवी। सवाल- इसबगोल में कौन सा फाइबर होता है? जवाब- इसके जवाब से पहले ये समझना होगा कि फाइबर कितने प्रकार के होते हैं। दरअसल, फाइबर मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं- इनसॉल्यूबल फाइबर, सॉल्यूबल फाइबर, इनसॉल्यूबल फाइबर आंतों की मूवमेंट को सपोर्ट करता है और बॉवेल को नियमित रखने में मदद करता है। वहीं सॉल्यूबल फाइबर पानी सोखकर जेल जैसा बन जाता है। इससे स्टूल मुलायम हो जाता है और उसे आसानी से पास करने में मदद मिलती है। इसबगोल सॉल्यूबल फाइबर का एक बेहतरीन सोर्स है। यही वजह है कि पानी में मिलते ही यह फूल जाता है और कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। सवाल- इसबगोल शरीर में क्या काम करता है? जवाब- हम जो खाना खाते हैं, वह पेट और लगभग 20 फीट लंबी छोटी आंत से गुजरते हुए बड़ी आंत में पहुंचता है। इस दौरान शरीर जरूरी पोषक तत्व और पानी सोख लेता है। आखिर में जो बचता है, वही स्टूल बनता है। इसबगोल में मौजूद सॉल्यूबल फाइबर पानी को अपने साथ बांधकर रखता है। इससे स्टूल में नमी बनी रहती है। वह मुलायम रहता है और आंतों से आसानी से आगे बढ़ पाता है। सवाल- इसबगोल के हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? जवाब- इसबगोल एक प्रीबायोटिक फाइबर की तरह भी काम करता है। यानी यह आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देता है, जिससे गट हेल्थ बेहतर हो सकती है। इसबगोल के हेल्थ बेनिफिट्सः- कब्ज से राहत दिलाए। ब्लड शुगर कंट्रोल करे। गट हेल्थ अच्छे बैक्टीरिया को पोषण दे। खराब कोलेस्ट्रॉल घटाए बेहतर बनाए। पाइल्स में राहत दिलाए। वेट कंट्रोल में मदद करे। सवाल- इसबगोल कब्ज में कैसे मदद करता है? जवाब- कब्ज को ऐसे समझिए जैसे किसी नाली में सूखी गंदगी जमा हो गई हो। जब तक उसमें पर्याप्त पानी नहीं पहुंचता, वह आसानी से बह नहीं पाती। लेकिन पानी मिलने पर वही गंदगी नरम पड़ जाती है और उसका निकलना आसान हो जाता है। कुछ ऐसा ही कब्ज में होता है। जब स्टूल बहुत सूखा और सख्त हो जाता है तो उसे बाहर निकलने में दिक्कत होती है। इसबगोल स्टूल में नमी बनाए रखने में मदद करता है, जिससे वह मुलायम रहता है और आंतों से आसानी से गुजर पाता है। इसी वजह से यह कब्ज से राहत दिलाने में मददगार माना जाता है। सवाल- किन हेल्थ प्रॉब्लम्स में इसबगोल लेना फायदेमंद हो सकता है? जवाब- इसमें मौजूद सॉल्यूबल फाइबर कई समस्याओं में फायदेमंद है। हालांकि इसे इलाज का विकल्प नहीं मानना चाहिए। इन हेल्थ कंडीशंस में फायदेमंद इसबगोलः- आईबीएस (इरिटेबल बाउल सिंड्रोम) एनल फिशर, डायरिया, पाइल्स, प्रीडायबिटीज, कब्ज, टाइप-2 डायबिटीज, सवाल- क्या ये हेल्थ प्रॉब्लम होने पर ही इसबगोल लेना चाहिए? जवाब- नहीं, इसबगोल कोई दवा नहीं है। यह एक नेचुरल फाइबर है। इसे स्वस्थ लोग भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसबगोल सिर्फ कब्ज होने पर ही नहीं लिया जाता। जिन लोगों की डाइट में फाइबर कम है, उनके लिए यह फाइबर बढ़ाने का आसान विकल्प है। हालांकि, इसकी जरूरत व्यक्ति के खानपान, उम्र और हेल्थ कंडीशन पर निर्भर करती है। सवाल- इसबगोल कोलेस्ट्रॉल कम करने में कैसे मदद करता है? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- हमारा शरीर खाने में मौजूद फैट को पचाने के लिए बाइल (पित्त) बनाता है। इस बाइल को बनाने के लिए कोलेस्ट्रॉल की जरूरत पड़ती है। इसबगोल आंत में पहुंचकर बाइल के एक हिस्से को शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। अब शरीर के पास पहले जितनी बाइल नहीं बचती। इसलिए उसे नई बाइल बनानी पड़ती है। नया बाइल बनाने के लिए शरीर को फिर से कोलेस्ट्रॉल चाहिए होता है। वह यह कोलेस्ट्रॉल ब्लड से लेता है। यही वजह है कि नियमित रूप से इसबगोल लेने से खून में एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने में मदद मिलती है। सवाल- क्या इसबगोल हार्ट हेल्थ के लिए भी उपयोगी है? जवाब- हां, इसबगोल हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है। इसे ऐसे समझिए-हमारी धमनियां पानी के पाइप की तरह होती हैं। जब इनमें कोलेस्ट्रॉल और अन्य फैटी सब्सटेंस जमा होने लगते हैं तो धीरे-धीरे प्लाक बनने लगता है। समय के साथ यह प्लाक आर्टरी को संकरा कर सकता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क बढ़ जाता है। इसबगोल में मौजूद सॉल्यूबल फाइबर एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है। जब खून में खराब कोलेस्ट्रॉल कम होगा तो उसके आर्टरी में जमा होने का रिस्क भी कम होगा। सवाल- इसबगोल ब्लड शुगर कम करने में कैसे मदद करता है? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए-जब हम कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें खाते हैं, तो पाचन



के बाद उनसे ग्लूकोज बनता है और वह ब्लड में पहुंचता है। अगर यह प्रक्रिया बहुत तेजी से हो तो ब्लड शुगर भी तेजी से बढ़ सकता है। इसबगोल पानी के साथ मिलकर जेल जैसी परत बना लेता है। यह भोजन के पाचन और ग्लूकोज के अवशोषण की गति को धीमा कर देता है। इससे ग्लूकोज एकदम से ब्लड में पहुंचने के बजाय धीरे-धीरे पहुंचता है। सवाल- क्या इसबगोल वजन घटाने में भी मददगार है? जवाब- हां, इसबगोल वेट मैनेजमेंट में मददगार हो सकता है, लेकिन यह सीधे वजन नहीं घटाता। इसमें मौजूद सॉल्यूबल फाइबर पानी सोखकर फूल जाता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस हो सकता है। इससे बार-बार भूख लगने और ज्यादा खाने की संभावना कम होती है। सवाल- इसबगोल लेने का सही तरीका क्या है? जवाब- आमतौर पर 1-2 चम्मच (लगभग 5-10 ग्राम) इसबगोल को एक गिलास पानी में मिलाकर तुरंत पीने की सलाह दी जाती है। इसके बाद एक और गिलास पानी पीना भी फायदेमंद होता है। इसे सुबह खाली पेट या रात में सोने से पहले लिया जा सकता है। सवाल- लोग इसबगोल लेने में क्या कॉमन गलती करते हैं? जवाब- इसबगोल लेने में लोगों की सबसे कॉमन गलती पर्याप्त पानी न पीना है। कई लोग इसबगोल तो ले लेते हैं, लेकिन उसके साथ दिनभर पर्याप्त पानी नहीं पीते। चूंकि इसबगोल पानी सोखता है, इसलिए पानी की कमी होने पर इसका फायदा कम हो सकता है। सवाल- क्या इसबगोल के साथ पानी न पीने या कम पीने पर कोई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं? जवाब- हां। इसबगोल के साथ अगर पर्याप्त पानी न लिया जाए तो कब्ज में राहत मिलने के बजाय समस्या बढ़ भी सकती है। इसबगोल के साथ पानी न पीने के नुकसान पेट में भारीपन होना। गैस या ब्लोटिंग होना। पेट में असहजता होना। कब्ज की समस्या बढ़ना।सवाल- किन लोगों को इसबगोल नहीं लेना चाहिए? जवाब- इसबगोल एक फाइबर सप्लीमेंट है। इसी वजह से यह कुछ दवाओं के अवशोषण को प्रभावित कर सकता है। इसलिए जो लोग थायरॉइड, डायबिटीज, हार्ट डिजीज या अन्य किसी बीमारी की नियमित दवाएं लेते हैं, उन्हें इसबगोल शुरू करने से पहले डॉक्टर या डाइटीशियन से सलाह लेनी चाहिए।इसबगोल से जुड़े कुछ कॉमन सवाल जवाबः-सवाल- क्या फाइबर सप्लीमेंट भोजन की जगह ले सकता है? जवाब- नहीं, फाइबर सप्लीमेंट भोजन का विकल्प नहीं हो सकता। फाइबर सप्लीमेंट डाइट का पूरक है, न कि भोजन का विकल्प। सवाल- क्या जिम जाने वाले भी इसबगोल ले सकते हैं? जवाब- हां, जिम जाने वाले लोग भी इसबगोल ले सकते हैं। सवाल- क्या बच्चों को इसबगोल देना सुरक्षित है? जवाब- बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं देना चाहिए।सवाल- क्या इसबगोल खाने से भूख कम लगती है? जवाब- हां, इसबगोल पानी सोखकर फूल जाता है और पेट में ज्यादा जगह घेरता है। इससे भूख कम लगती है। सवाल- क्या इसबगोल रोज ले सकते हैं? जवाब- हां, आमतौर पर इसे रोज लिया जा सकता है। सवाल- इसबगोल पाउडर, भूसी और कैप्सूल में कौन-सा रूप बेहतर है? जवाब- ज्यादातर लोगों के लिए पाउडर या भूसी बेहतर मानी जाती है क्योंकि इससे पर्याप्त मात्रा में फाइबर आसानी से मिल जाता है। सवाल- क्या फ्लेवर्ड और सादे साइलियम हस्क में कोई फर्क है? जवाब- फ्लेवर्ड प्रोडक्ट्स में चीनी, स्वीटनर, फ्लेवर या अन्य एडिटिव्स मिलाए जाते हैं। इसलिए सादा इसबगोल ही लें। सवाल- साइलियम हस्क खरीदते समय पैकेट पर कौन-सी जानकारी जरूर देखें? जवाब- पॉइंटर्स में देखिए-इंग्रीडिएंट लिस्ट,फाइबर की मात्रा- सर्विंग साइज, मैन्युफैक्चरिंग डेट, एक्सपायरी डेट, क्वालिटी/टेस्टिंग सर्टिफिकेशन (यदि उपलब्ध हो) सवाल- साइलियम हस्क को घर में कैसे स्टोर करें? जवाब- पॉइंटर्स में देखिए- इसे ठंडी और सूखी जगह पर रखें। अच्छी तरह बंद डिब्बे या पैकेट में रखें। इसबगोल आसानी से नमी सोख लेता है। इसलिए इसे पानी, भाप या नमी वाली जगह से दूर रखें।



भारत की टी-20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी हार,260 चेज कर रही टीम 87 रन से हारी, डफी ने 4 विकेट झटके

स्पोर्ट डेस्क। टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 87 रन की हार झेलनी पड़ी है। यह टी-20 में कीवियों के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी हार है। पिछला रिकॉर्ड 80 रन का था। जो 2019 में वेलिंग्टन में बना था। ऑकलैंड में शुक्रवार को 260 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन बना सकी। टीम का कोई बल्लेबाज फिफ्टी नहीं लगा सका। तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। जैकब डफी ने 4 विकेट झटके।इससे पहले न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को टी-20 में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 259 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 49 बॉल पर 107 रन बनाए। माइकल ब्रेसवेल ने 25 बॉल पर 65 रन की पारी खेली। इंडिया सीरीज में 3-1 से आगे, आखिरी मैच 1 नवंबर कोः-इस हार के बावजूद टीम इंडिया 5 मैचों की सीरीज में 3-1 से आगे है। 5वां और आखिरी मुकाबला हेमिल्टन में एक नवंबर को खेला जाएगा। न्यूजीलैंड ने सीरीज में पहली जीत दर्ज की- नाथन स्मिथ के 20वें ओवर में भारत ने 9 रन बनाए। भारत की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 172 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड ने मुकाबला 87 रन से जीत लिया। प्रिंस यादव 17 गेंदों पर 18 और मयंक यादव 4 गेंदों पर 3 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की जीत में जैकब डफी ने 4 विकेट लिए, जबकि मिचेल सैंटनर ने भारतीय मिडिल ऑर्डर को झटके दिए। भारत ने पावरप्ले में ही 4 विकेट गंवा दिए थे। 19वें ओवर में तिलक वर्मा आउट-मैथ्यू फिशर ने 19वें ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा को आउट कर दिया। तिलक ने लेंथ बॉल पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में चली गई। विकेटकीपर टिम साइफर्ट ने पॉइंट की ओर दौड़कर शानदार कैच पकड़ा। 18वें ओवर में भारत ने बनाए 6 रन-एडम मिल्ने के 18वें ओवर में भारत ने 6 रन बनाए। ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा ने स्कूप शॉट खेलते हुए फाइन लेग के ऊपर से छक्का लगाया। हालांकि, ओवर की बाकी गेंदों पर वह कोई रन नहीं बना सके। तिलक वर्मा ने 17वें ओवर में छक्का लगाया-नाथन स्मिथ के 17वें ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा ने छक्का जड़ा। स्मिथ ने फुलटॉस गेंद डाली। तिलक ने ऑफ स्टंप की ओर हटकर गेंद की रफ्तार का इस्तेमाल किया और उसे लॉन्ग लेग के ऊपर से बाउंड्री के पार पहुंचा दिया। फिशर ने प्रिंस यादव का कैच छोड़ा-मिचेल सैंटनर के 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर प्रिंस यादव को जीवनदान मिला। सैंटनर ने गेंद को फ्लाइट दिया। प्रिंस ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में चली गई। स्क्वेयर लेग पर खड़े मैथ्यू फिशर गेंद के नीचे पहुंचे, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। न्यूजीलैंड ने सीरीज में 11 कैच छोड़े-न्यूजीलैंड की टीम इस सीरीज में अब तक 11 कैच छोड़ चुकी है। टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में यह उसका दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। इससे पहले इसी साल साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड ने 14 कैच छोड़े थे। 12वें ओवर में भारत ने लगातार 2 विकेट गंवाए, नमन धीर आउट-जैकब डफी ने 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर नमन धीर को आउट कर दिया। नमन ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन डीप मिडविकेट से लॉन्ग ऑफ की ओर दौड़ते हुए नाथन स्मिथ ने शानदार कैच पकड़ा। इस कैच को पूरा करने में डेरिल मिचेल ने भी मदद की। इसी ओवर की तीसरी गेंद पर डफी ने अर्शदीप सिंह को भी पवेलियन भेज दिया। नमन धीर ने 11वें ओवर में छक्का लगाया, जैकब्स से छूटा कैच-मिचेल सैंटनर के 11वें ओवर की पांचवीं गेंद पर नमन धीर ने छक्का लगाया। सैंटनर ने गेंद को धीमी गति से ऑफ स्टंप के बाहर फ्लाइट दिया। नमन ने कवर के ऊपर से शॉट खेला। डीप कवर पर बेवन जैकब्स ने कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथों से निकलकर बाउंड्री के पार चली गई। 10वें ओवर में नमन धीर ने बनाए 17 रन-मैथ्यू फिशर के 10वें ओवर में नमन धीर ने 17 रन बनाए। उन्होंने पहली गेंद पर कोई रन नहीं लिया। दूसरी गेंद पर 2 रन दौड़े। इसके बाद लगातार दो गेंदों पर चौके लगाए। पांचवीं गेंद पर मिड ऑफ के ऊपर से छक्का जड़ा। आखिरी गेंद पर एक रन लेकर ओवर खत्म किया। अक्षर पटेल भी आउट, भारत ने गंवाया छठा विकेट-मिचेल सैंटनर ने आठवें ओवर की चौथी गेंद पर अक्षर पटेल को आउट कर दिया। सैंटनर ने गेंद को फ्लाइट देते हुए ऑफ स्टंप के बाहर रखा। अक्षर ने आगे बढ़कर ड्राइव खेला, लेकिन गेंद सीधे सैंटनर के पास चली गई। सैंटनर ने इस ओवर में अब तक 2 विकेट लिए हैं। आठवें ओवर की पहली गेंद पर नीतीश रेड्डी आउट-मिचेल सैंटनर ने गेंदबाजी पर आते ही पहली गेंद पर नीतीश कुमार रेड्डी को आउट कर दिया। सैंटनर ने शॉर्ट और ऑफ स्टंप के बाहर गेंद डाली। नीतीश ने हवा में तेज शॉट खेला, लेकिन शॉर्ट कवर पर माइकल ब्रेसवेल ने शानदार कैच पकड़ लिया। नीतीश 10 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 2 छक्के लगाए। यह सैंटनर का टी-20 इंटरनेशनल में 150वां विकेट है। नीतीश रेड्डी ने 2 छक्के लगाए-नाथन स्मिथ के सातवें ओवर में नीतिश रेड्डी ने 2 छक्के लगाए। ओवर की तीसरी गेंद पर उन्होंने लॉन्ग ऑन के ऊपर से शानदार छक्का जड़ा। इसके बाद स्मिथ ने बाउंसर डाली, जो नीतीशके सिर के ऊपर से निकल गई और अंपायर ने वाइड दे दी। श्रेयस अय्यर आउट-एडम मिल्ने ने छठे ओवर की तीसरी गेंद पर श्रेयस अय्यर को बोल्ड कर दिया। अय्यर ने इससे पहले ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाया था। मिल्ने ने अगली गेंद फुल और अंदर की ओर आती हुई डाली। अय्यर ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे लेग स्टंप पर जा लगी। पांचवें ओवर में अभिषेक शर्मा आउट-मैथ्यू फिशर ने पांचवें ओवर में अभिषेक शर्मा को आउट कर दिया। अभिषेक ने ओवर की पहली गेंद पर छक्का और दूसरी गेंद पर चौका लगाया। अगली गेंद वाइड रही। इसके बाद फिशर की चौथी गेंद पर अभिषेक ने मिड ऑफ की ओर शॉट खेला, जहां मिचेल सैंटनर ने कैच पकड़ लिया। श्रेयस ने 2 चौके लगाए-न्यूजीलैंड के गेंदबाज नाथन स्मिथ ने चौथे ओवर में 12 रन दिए। श्रेयस अय्यर ने ओवर की पहली गेंद पर 2 रन लिए। अगली गेंद पर उन्हें चौका मिला। तीसरी गेंद पर अय्यर ने एक रन लेकर स्ट्राइक अभिषेक को दी। चौथी गेंद पर अभिषेक शॉट नहीं खेल सके। पांचवीं गेंद पर उन्होंने एक रन लिया। ओवर की आखिरी गेंद पर अय्यर ने चौका लगाकर ओवर खत्म किया। दूसरे ओवर में भारत ने बनाए 10 रन-एडम मिल्ने के दूसरे ओवर में भारत ने 10 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने ओवर की पहली दो गेंदों पर लगातार 2-2 रन लिए। तीसरी गेंद पर वह चूक गए। अगली गेंद पर उन्हें लेग बाई के रूप में एक रन मिला। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने पांचवीं गेंद पर एक रन लिया। अभिषेक ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर ओवर खत्म किया। पहले ही ओवर में भारत के 2 विकेट गिरे-जैकब डफी ने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर संजू सैमसन को आउट किया। सैमसन ने पहली गेंद पर चौका लगाया था। इसके बाद उन्होंने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में चली गई। टिम साइफर्ट ने कैच पकड़ा। सैमसन 2 गेंदों पर 4 रन बनाकर आउट हुए। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर डफी ने ईशान किशन को भी पवेलियन भेज दिया। ईशान बिना खाता खोले आउट हुए। उन्होंने गेंद को खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से से लगकर डफी के हाथों में चली गई। ग्लेन फिलिप्स 107 रन बनाकर आउट-20वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स 107 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नीतीश कुमार रेड्?डी ने अभिषेक शर्मा के हाथों कैच कराया। प्रिंस यादव ने ब्रेसवेल को एलबीडब्लू किया-प्रिंस यादव ने 18वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल को एलबीडब्लू आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। ब्रेसवेल लैप शॉट खेलने के लिए नीचे झुके, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और सीधे पैड पर जा लगी। उन्होंने रिव्यू लिया, लेकिन बॉल ट्रैकिंग में गेंद मिडिल और लेग स्टंप पर लगती दिखी। ब्रेसवेल 25 गेंदों पर 65 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। फिलिप्स ने लगातार 4 छक्के लगाए, न्यूजीलैंड के 200 रन पूरे-न्यूजीलैंड ने 16वें ओवर में 32 रन बनाए। नीतीश कुमार रेड्डी के ओवर में ग्लेन फिलिप्स ने लगातार 4 छक्के लगाए। उन्होंने ओवर की तीसरी, चौथी, पांचवीं और छठी गेंद पर छक्के जड़े। इससे पहले ओवर की दूसरी गेंद नो बॉल रही, जिस पर फिलिप्स ने चौका लगाया। अगली गेंद पर उन्होंने 2 रन लिए। इस ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने पहली गेंद पर एक रन लिया। फिलिप्स 42 गेंदों पर 90 रन बनाकर खेल रहे हैं, जबकि ब्रेसवेल 18 गेंदों पर 45 रन बना चुके हैं। 16 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर 206/4 है। फिलिप्स ने लगातार तीन छक्के मारे, न्यूजीलैंड 200 पार-16वें ओवर मे ग्लेन फिलिप्स ने नीतीश कुमार रेड्?डी की बॉल पर लगातार चार छक्के लगाए। इसी के साथ न्यूजीलैंड का स्कोर 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया। नीतीश के इस ओवर से 32 रन आए। फिलिप्स और ब्रेसवेल में फिफ्टी पार्टनरशिप-14वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स और माइकल ब्रेसवेल ने 5वें विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। ब्रेसवेल ने अक्षर पटेल की शुरुआती 2 बॉल पर लगातार दो चौके लगाए। फिर एक छक्का मारा। उन्होंने चौथी बॉल पर भी चौका लगाया। न्यूजीलैंड का स्कोर 150 पार हुआ, नमन धीर से कैच छूटा-14वें ओवर में अक्षर पटेल ने 20 रन खर्च कर दिए। उनके इस ओवर में तीन चौके और एक छक्का लगा। इसी के साथ न्यूजीलैंड की टीम ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया। अक्षर की आखिरी बॉल पर नमन धीर से ग्लेन फिलिप्स का कैच ड्रॉप हो गया। ग्लेन फिलिप्स की फिफ्टी, प्रिंस की बॉल पर 2 छक्के लगे-12वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स ने फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने प्रिंस यादव की पहली बॉल पर दो रन लिए और अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद प्रिंस के इस ओवर में दो छक्के भी लगे। इस ओवर से 18 रन आए।







पर्यावरण से जुड़े प्रश्न युद्ध खत्म होने तक नहीं रुकेंगे

युद्ध, भू-राजनीतिक उथल-पुथल और आर्थिक तंगी के दौर में यह बड़ी आसानी से मान लिया जा सकता है कि प्रकृति का संरक्षण जरूरी तो है, लेकिन उसकी तत्काल कोई अनिवार्यता नहीं। इसे तो शांतिकाल में भी किया जा सकता है। यह सोच घातक है। इन सर्दियों में जब दुनिया के नेता संयुक्त राष्ट्र के जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सम्मेलनों के लिए जुटेंगे तो उन्हें याद रखना चाहिए कि दुनिया की आधी से अधिक जीडीपी प्रकृति और उससे मिलने वाली सेवाओं पर निर्भर है। 9.5 ट्रिलियन डॉलर की ग्लोबल फूड इंडस्ट्री गुणवत्तापूर्ण मिट्टी पर टिकी है। 1.5 अरब लोगों की आजीविका वनों पर निर्भर है। नदियां बाढ़ के पानी को खुद में समेटकर परिवहन के महत्वपूर्ण नेटवर्क को बनाए रखती हैं। प्रकृति वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसकी रक्षा करना राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पर्यावरण से जुड़े प्रश्न मध्य-पूर्व और यूक्रेन में युद्ध खत्म होने तक इंतजार नहीं करेंगे। इस गर्मी में यूरोप में सूखे के कारण 2 से 3 अरब डॉलर की फसलें खराब हुईं। यह किसानों के लिए दोहरी मार थी, क्योंकि इससे पहले होर्मुज बंद होने से फर्टिलाइजर की कीमतों में भी 71फीसदी की बढ़ोतरी हो गई थी। युद्ध और चरम-मौसम की घटनाओं के मिले-जुले असर ने वैश्विक खाद्य कीमतों को 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पारिस्थितिकी तंत्र के आंशिक रूप से ध्वस्त होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को हर साल 2.7 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। भू-राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद हम उन प्राकृतिक प्रणालियों को कमजोर करने का जोखिम नहीं उठा सकते, जिन पर हमारी अर्थव्यवस्थाएं निर्भर हैं। '30 बाय 30' की पहल आज पहले से कहीं अधिक अहम हो गई है। इसके तहत 2030 तक दुनिया की कम से कम 30फीसदी भूमि और समुद्री क्षेत्र की रक्षा एवं संरक्षण का लक्ष्य है। प्रकृति की रक्षा करना संकटों को झेलने के सामर्थ्य और एकजुटता में निवेश करने जैसा है। यह खाद्य और जल सुरक्षा को सुदृढ़ करता है तथा जलवायु संकट से उबरने की क्षमता बढ़ाता है। साथ ही आजीविका, जनस्वास्थ्य और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को बनाए रखता है। वर्ष 2022 में सरकारों द्वारा ऐतिहासिक 'कुनमिंग-मॉन्ट्रियल बायो-डायवर्सिटी फ्रेमवर्क' के तहत अपनाया गया '30 बाय 30' लक्ष्य यह मानता है कि प्रकृति का संरक्षण सार्वजनिक हितों से जुड़ी सुविधाएं मुहैया कराने में बुनियादी अहमियत रखता है। '30 बाय 30' लक्ष्य की दिशा में दुनिया ने बीते चार वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 'कैम्पेन फॉर नेचर' के नए विश्लेषण से पता चलता है कि अब भूमि और देशों की सीमाओं के भीतर स्थित जल क्षेत्रों (इनलैंड वॉटर्स) के 20फीसदी हिस्से को 'प्रोटेक्टेड या कंजर्व्ड' के तौर पर निर्धारित कर दिया गया है। मौजूदा प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह लागू किया तो 2030 तक यह हिस्सा बढ़कर लगभग 27फीसदी हो सकता है, जो लक्ष्य के काफी करीब होगा। हालांकि समुद्र के मामले में प्रगति काफी धीमी रही है। महासागरों के केवल 10फीसदी हिस्से को औपचारिक रूप से संरक्षण के लिए निर्धारित किया गया है। मौजूदा प्रतिबद्धताओं के अनुसार 2030 तक यह हिस्सा 12फीसदी तक ही बढ़ पाएगा। इससे भी बुरा यह है कि 'दुगेदर फॉर द ओशन' की ताजा रिपोर्ट के अनुसार समुद्र के केवल 3.5फीसदी हिस्से को ही प्रभावी रूप से संरक्षित माना गया है। '30 बाय 30' लक्ष्य हासिल करने के लिए अब केवल चार साल बचे हैं। लेकिन फिर भी दुनिया के पास इस लक्ष्य को पूरा करने का अवसर है। यह इस दशक की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिबद्धताओं में से एक है। लेकिन सवाल है कि बीते समय की भरपाई के लिए हमें क्या करना होगा? सबसे पहले तो यही कि सरकारों को प्रकृति के संरक्षण के लिए वित्तीय सहायता में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी करनी होगी। '30 बाय 30' लक्ष्य को पूरा करने के लिए हर साल लगभग 100 से 180 अरब डॉलर की जरूरत होगी, जबकि फिलहाल इस दिशा में सालाना केवल 24 अरब डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। हमें समझना होगा कि यह खर्च महज लागत नहीं, बल्कि एक निवेश है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,मैरी रॉबिन्सन)



'मेरा बेटा इंजीनियर बनेगा!' पर उसके बाद क्या करेगा?

माइक्रोसॉफ्ट ने हाल ही में अपने लगभग 60 हजार कर्मचारियों को स्वैच्छिक रूप से नौकरी छोड़ने के बदले विशेष पैकेज देने की पेशकश की है। जरूरी नहीं कि ये सभी कर्मचारी नौकरी छोड़ दें, लेकिन यह खबर अपने आप में चौंकाने वाली है। हमारे देश में भी टेक सेक्टर- जो लंबे समय से नई नौकरियां पैदा करने के सबसे भरोसेमंद स्रोतों में से एक रहा है- चिंताजनक रुझान दिखा रहा है। स्टाफिंग कंपनी हान डिजिटल के अनुसार, भारत के आईटी-बीपीएम क्षेत्र में भर्ती किए नए स्नातकों की संख्या 2021-22 में अनुमानित 4 लाख से घटकर 2025-26 में 1.75 लाख रह गई। तकनीकी उद्योग में सृजित नई नौकरियों की संख्या भी 2021-22 के 4.45 लाख से घटकर 2025-26 में 1.35 लाख रह गई। यह 70 प्रतिशत की गिरावट है। और इसके बावजूद भारतीय मध्यवर्ग का अपने बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना कम नहीं हो रहा। एडकॉम रिसर्च द्वारा अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के आधिकारिक डैशबोर्ड के आंकड़ों के आधार पर किए विश्लेषण के अनुसार, इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में नए दाखिलों की संख्या 2021-22 के 9.2 लाख से बढ़कर 2025-26 में 13.5 लाख हो गई। जबकि आज यह स्थिति है कि इंजीनियरिंग में दस दाखिले होते हैं, तब जाकर एक को टेक-सेक्टर की नौकरी मिलती है। बेशक, इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने वाला हर स्नातक आईटी सेक्टर में नौकरी नहीं करता। लेकिन पहले यह क्षेत्र इंजीनियरिंग स्नातकों के बड़े हिस्से को रोजगार देता था। अब आईटी सेक्टर में जॉब की संभावनाएं घट रही हैं। और इसके बावजूद इंजीनियरिंग में दाखिले लगातार बढ़ रहे हैं। 'मेरा बेटा इंजीनियर बनेगा!' वाला सपना आज भी जिंदा है। कोई भी यह नहीं पूछ रहा कि 'उसके बाद क्या करेगा?' आईटी में नए स्नातकों के लिए जो थोड़ी-बहुत नौकरियां बची हैं, उनमें वेतन कोई खास आकर्षक नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की बड़ी आईटी सेवा कंपनियों में नए कर्मचारियों को मिलने वाला सामान्य शुरुआती वेतन वर्षों से तीन से चार लाख रुपये सालाना के आसपास बना हुआ है। यह समस्या केवल आईटी क्षेत्र तक सीमित नहीं है। दफ्तरों में काम करने वाले पेशेवरों के रोजगार से जुड़े कई दूसरे उद्योग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। इसकी वजह यह है कि नए कर्मचारियों को आमतौर पर जो काम सौंपे जाते हैं, वे अपेक्षाकृत तयशुदा प्रक्रियाओं पर आधारित होते हैं। और इन्हें एआई बड़ी आसानी से कर सकता है। मिसाल के तौर पर, एआई सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में बुनियादी कोडिंग, डीबगिंग, टेस्टिंग जैसे काम कर सकता है। कानूनी क्षेत्र में अनुबंधों की समीक्षा और मुकदमों से संबंधित शोध कर सकता है। कंसल्टिंग क्षेत्र में प्रजेंटेशन तैयार कर सकता है और ग्राहक सेवा में रोजमर्रा के सवालों के जवाब दे सकता है। इसका दूसरा पहलू भी है। जब आज वरिष्ठ कर्मचारी सेवानिवृत्त होंगे, तब उनकी जगह लेने के लिए पर्याप्त अनुभवी कर्मचारी नहीं होंगे। अगर आप नए स्नातकों को नौकरी ही नहीं देंगे, तो उन्हें काम का अनुभव कैसे मिलेगा?आर्थिक उदारीकरण के बाद से भारतीय परिवार सफलता के एक जाने-पहचाने फॉर्मूले पर चलते आए हैं। मन लगाकर पढ़ाई करो। अच्छे अंक लाओ। अच्छे कॉलेज में दाखिला लो। डिग्री हासिल करो। कैम्पस प्लेसमेंट में नौकरी पाओ। वेतन कमाओ और आत्मनिर्भर बन जाओ। लेकिन अब एआई ने इस दौड़ के नियम बदल दिए हैं। ऐसे में हमें अपनी सोच और करियर की योजना में बदलाव लाने होंगे। पहला बदलाव यह कि हर दिन एक घंटा एआई की दुनिया में हो रहे नए डेवलपमेंट्स को समझने में लगाएं। इस क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों की गतिविधियों पर नजर रखें। नवीनतम एआई टूल्स का इस्तेमाल करके कुछ प्रोडक्टिव काम करें। इस उभरती इंडस्ट्री के अनुरूप स्किल्स विकसित करें। आने वाले समय में एआई का क्षेत्र बड़ी तादाद में नई नौकरियां पैदा करने वाला है। दूसरे, इंजीनियरिंग की डिग्री पाने का जुनून छोड़ें। पहले इंजीनियरिंग की डिग्री आपको नौकरी और प्रतिष्ठा दिलाती थी, लेकिन अब इसकी गारंटी नहीं रह गई है। और तीसरे, ब्लू-कॉलर जॉब्स को हिकारत की नजर से ना देखें। हर कोई ऑफिस में बैठकर काम करने वाली नौकरी करना चाहता है, जबकि यही नौकरियां एआई के कारण सबसे अधिक खतरे में हैं। हम ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं, जब एक प्लम्बर की नौकरी किसी प्रोग्रामर की नौकरी से ज्यादा सुरक्षित है। खुद ही सोचें कि बेहतर स्थिति में कौन है? हर महीने 80 हजार कमाने वाला एक ऑटोमोबाइल रिपेयर टेक्नीशियन या इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर घर में बैठा बेरोजगार नौजवान? एआई क्रांति हमें यह सबक सिखाने जा रही है कि अपने हाथों से काम करना कम्प्यूटर पर काम करने से कमतर नहीं है। जो बात मायने रखती है, वो ये है कि आपके पास कोई उपयोगी हुनर हो, आप उसमें दक्ष हों और उसके जरिये सम्मानजनक आजीविका कमा सकें। (ये लेखक के अपने विचार हैं,चेतन भगत)



दिवाली मिलन ट्रेंड : लोग खाने का ओरिजिन जानना पसंद कर रहे हैं

क्या आपने कभी 'मैंगो स्वीट राइस आइसक्रीम' नाम के डेजर्ट के बारे में सुना है या किसी को अपने पूरे मेन्यू को 'ब्यूटिरिशन' (ब्यूटी और न्यूट्रिशन को मिलाकर बना शब्द) कहते सुना है? अगर नहीं, तो इस लेख को ध्यान से पढ़िए और जानिए कि 2026 की दिवाली के लिए अमीरों के बीच फूड सेगमेंट को लेकर क्या ट्रेंड चल रहा है। मेरे जैसे लोग जहां नए कपड़े और मिठाइयां खरीदने के लिए अगले महीने की सैलरी का इंतजार कर रहे हैं, वहीं अमीरों की रसोइयों में इस बात पर 'डाइनरमीट' चल रही होगी कि दिवाली मिलन पर मेहमानों के लिए किस तरह का खास मेन्यू तैयार करें। 'डाइनरमीट'- यह शब्द मैंने बनाया है, जिसका अर्थ है मेन्यू पर चर्चा के लिए मीटिंग। दिलचस्प तौर पर इन बैठकों में फूड एडवाइजर, फूड साइंटिस्ट, फूड एक्सपर्ट, फूड क्यूरेटर, फूड एंबेसडर और फूड डेकोरेटर समेत कई लोग होते हैं। इन सभी को मिलाकर 'ट्रेंड्स काउंसिल' कहा जाता है और अमेजन के स्वामित्व वाली ग्रोसरी रिटेलर कंपनियां उन्हें काम पर भी रखती हैं। ये पेशेवर सिर्फ इंग्रीडिएंट्स पर ही चर्चा नहीं करते, बल्कि प्रीबायोटिक सोडा, खाने की चीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन-डी की मात्रा पर भी बात करते हैं। पहले वे ईटिंग हैबिट्स के ट्रेंड डिस्कस करते हैं और फिर नए फ्लेवर और टेक्सचर कॉम्बिनेशन बनाने के लिए खाने की चीजों के साथ प्रयोग करते हैं। इस तरीके

बीते 8 चुनावों में इस बार सबसे कमजोर नेतन्याहू, उनकी पार्टी को सिर्फ 27 सीटें मिलीं, फिर भी सरकार बनाने की संभावना

तेल अवीव।विपक्ष के पास 48 सीटें, बहुमत के लिए 13 और चाहिएः- पूर्व सैना प्रमुख गादी आइजनकोट के नेतृत्व वाले विपक्षी खेमे को 48 सीटें मिली सकते हैं। इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग चुनाव के बाद राजनीतिक दलों से बातचीत करेंगे। इसके बाद वह उस नेता को सरकार बनाने का पहला



मौका देंगे हैं, जिसके पास बहुमत जुटाने की सबसे बेहतर संभावना होगी। सरकार बनाने के लिए नेता को शुरुआत में 28 दिन मिलते हैं। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति 14 दिन का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। यानी सरकार बनाने की कोशिश के लिए कुल 42 दिन तक मिल सकते हैं। इस दौरान पार्टियों के बीच गठबंधन, मंत्रिपदों और नीतियों को लेकर बातचीत होती है। अगर कोई भी नेता बहुमत जुटाने में नाकाम रहता है, तो दोबारा चुनाव कराने की नौबत भी आ सकती है। नेतन्याहू के लिए चुनाव क्यों अहम थाः-नेतन्याहू ने लंबे समय से अपनी राजनीति को मजबूत नेतृत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा के वादे पर आगे बढ़ाया है। लेकिन 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इजराइल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे। इसके बाद गाजा में लंबा युद्ध चला और ईरान के साथ जंग ने भी क्षेत्रीय तनाव बढ़ाया। विपक्ष ने चुनाव में नेतन्याहू के नेतृत्व और सुरक्षा नीति को निशाना बनाया। वहीं, सेना में भर्ती को लेकर विवाद और न्यायपालिका की शक्तियों में बदलाव की कोशिश भी इजराइल की राजनीति में बड़े मुद्दे रहे हैं। इन मुद्दों का चुनावी नतीजों पर कितना असर पड़ा, यह केवल सीटों के आंकड़ों से तय नहीं किया जा सकता। लेकिन लिकुड को 2022 के मुकाबले 5 सीटों का नुकसान हुआ है और नेतन्याहू का गठबंधन बहुमत से दूर है। क्या नेतन्याहू फिर प्रधानमंत्री बन पाएंगेः-नेतन्याहू की पार्टी को बहुमत नहीं मिला है, लेकिन उनका पूरा गठबंधन सरकार बनाने की दौड़ में है। विपक्ष को भी बहुमत के लिए दूसरे दलों का समर्थन चाहिए। अरब पार्टियों की 19 सीटें सरकार गठन के गणित में अहम हैं, लेकिन विपक्षी खेमे में उनके साथ गठबंधन को लेकर मतभेद हैं। यही नेतन्याहू के लिए सबसे बड़ा अवसर हो सकता है।आखिरकार, सरकार कौन बनाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन-सा नेता 61 सांसदों का समर्थन जुटा पाता है। नेतन्याहू के लिए चुनाव आसान नहीं रहा, लेकिन उनकी सत्ता में वापसी की संभावना अभी खत्म नहीं हुई है।

हैं। सरकार बनाने के लिए उसे 13 और सांसदों के समर्थन की जरूरत है। विपक्ष का मुख्य लक्ष्य नेतन्याहू को सत्ता से हटाना रहा है, लेकिन उसके सामने भी गठबंधन को एकजुट रखने की चुनौती है। उसके सहयोगियों के बीच अरब पार्टियों के साथ सरकार बनाने को लेकर मतभेद हैं। आइजनकोट ने ऐसी सरकार बनाने की बात कही है जो यहूदी हो और सभी नागरिकों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य करने का समर्थन करे। इस रुख से अरब पार्टियों और अति-रूढ़िवादी यहूदी दलों के साथ समझौता करना मुश्किल हो सकता है। अगर विपक्ष अपने सहयोगियों के बीच सहमति नहीं बना पाता, तो नेतन्याहू को सरकार बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने का मौका मिल सकता है। अरब पार्टियों की 19 सीटें क्यों अहमः- इजराइल की अरब पार्टियों को चुनाव में कुल 19 सीटें मिलने का अनुमान है। इनमें जॉइंट लिस्ट को 11 और यूनाइटेड अरब लिस्ट यानी राअम को 8 सीटें मिली हैं। इन पार्टियों का समर्थन विपक्ष को बहुमत तक पहुंचने में मदद कर सकता है। विपक्ष की 48 सीटों में अगर राअम की सभी 7 सीटें जुड़ जाएं, तो संख्या 55 होगी। बहुमत के लिए तब भी 6 और सीटों की जरूरत पड़ेगी। अगर जॉइंट लिस्ट और राअम दोनों का समर्थन मिल जाए, तो विपक्षी खेमे की संख्या 67 तक पहुंच सकती है। लेकिन यह तभी संभव होगा, जब दोनों अरब पार्टियां समर्थन देने को तैयार हों और विपक्ष के दूसरे सहयोगी भी इस व्यवस्था पर सहमत हों। अरब पार्टियों ने नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए दूसरी पार्टियों के साथ काम करने की इच्छा जताई है। लेकिन विपक्ष के कुछ सहयोगी अरब पार्टियों के साथ गठबंधन का विरोध करते रहे हैं। इसलिए उनका समर्थन हासिल करना सिर्फ सीटों का गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक सहमति का मामला भी है। चुनाव में किसी भी खेमे को बहुमत नहीं मिलने का मतलब यह नहीं है कि नेतन्याहू को तुरंत प्रधानमंत्री पद छोड़ना होगा। नई सरकार बनने तक वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में काम कर

अमेरिका- मिडटर्म चुनाव की अर्ली वोटिंग,ट्रम्प ने 30 राज्यों की वोटर लिस्ट मंगवाई
रिपब्लिकन पार्टी पीछे,अब तक 4 करोड़ ने वोट डाला

न्यूयॉर्क।हारने पर भी राष्ट्रपति बने रहेंगे ट्रम्पः-मिडटर्म



चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी हार जाती है तो भी ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। उनका कार्यकाल 2028 तक है। हालांकि, संसद में बहुमत नहीं रहने पर उनके लिए अपनी नीतियों को लागू करना मुश्किल हो जाएगा। टैरिफ, वीजा और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर फैसले लेने में भी उन्हें संसद के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कार्यकाल के बाकी दो साल वे कमजोर राष्ट्रपति बनकर रह सकते हैं। अमेरिकी राजनीति में ऐसी स्थिति को 'लेम डक' कहा जाता है। अगर ट्रम्प की पार्टी हारी तो डेमोक्रेट्स उसके खिलाफ और मुखर हो सकते हैं। विपक्षी नेता उनके खिलाफ महाभियोग लाने की बात पहले ही कह चुके हैं। अगर संसद में डेमोक्रेट्स को जरूरी संख्या में सीटें मिलती हैं तो ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अमेरिका में कितने भारतीय मूल के वोटर? अमेरिका में करीब 17 करोड़ वोटर हैं। इनमें भारतीय मूल के करीब 25 से 26 लाख लोग वोट देने के योग्य हैं। कार्नेगी एंडोमेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा करीब 4.16 लाख भारतीय मूल के वोटर हैं। इसके बाद टेक्सास, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क का नंबर आता है। 2024 के एक सर्वे में 60फीसदी भारतीय मूल के वोटरों ने कमला हैरिस और 31फीसदी ने ट्रम्प को समर्थन देने की बात कही थी।

इजराइल चुनाव- सरकार बनाने की कोशिशों में जुटे आइजनकोट,तीन विपक्षी नेताओं से मुलाकात की
बोले- बेंजामिन चुनाव को बदनाम कर रहे

तेल अवीव।गठबंधन ने 13 सीटें जीतीं। 2019ः सितंबर में हुए चुनाव में भी इसे 13 सीटें मिली।



2020ः गठबंधन का प्रदर्शन बेहतर रहा और इसे 15 सीटें मिलीं। 2021ः आपसी मतभेदों के कारण राअम गठबंधन से अलग हो गई। इसके बाद हदाश और ताल समेत बाकी पार्टियों ने साथ चुनाव लड़ा। 2022ः हदाश और ताल ने साथ चुनाव लड़ा, जबकि बलद अलग हो गई। बलद संसद में पहुंचने के लिए जरूरी 3.25फीसदी वोट हासिल नहीं कर पाई। 2026ः हदाश, ताल और बलद ने फिर साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया। राअम इस बार भी अलग रही। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने प्रधानमंत्री नेतन्याहू को चुनाव में जीत की बधाई दी है। उन्होंने लिकुड पार्टी की जीत को बड़ी कामयाबी बताया। मिलेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि लिकुड एक बार फिर इजराइल की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है। मिलेई ने कहा कि नेतन्याहू ने विरोधी सर्वे और चुनावी अनुमानों के बावजूद अपने नेतृत्व की ताकत दिखाई है। अर्जेंटीना और इजराइल पश्चिमी मूल्यों को चुनौती देने वाली ताकतों के खिलाफ रणनीतिक साझेदार बने रहेंगे। रिपोर्ट- नेतन्याहू के सहयोगी ने आइजनकोट को पीएम पद का ऑफर दियाः-नेतन्याहू के सहयोगी दल यूनाइटेड टोरा जूडिज्म ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को प्रधानमंत्री पद देने का प्रस्ताव दिया है। चैनल 12 न्यूज के मुताबिक, पार्टी इसके बदले हरेदी यहूदियों को अनिवार्य सैन्य सेवा से छूट देने की मांग कर रही है। पार्टी के पास 7 सीटें हैं। वह आइजनकोट की सरकार में शामिल हुए बिना उसे समर्थन दे सकती है और संसद में उसके खिलाफ वोट नहीं करेगी। पार्टी के एक नेता ने कहा, 'नेतन्याहू से अब हमें कुछ नहीं मिलेगा। उनके साथ हमारा गठबंधन खत्म हो चुका है।' हालांकि, आइजनकोट सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा के पक्ष में हैं, जबकि यूनाइटेड टोरा जूडिज्म इसका विरोध करती है। ऐसे में दोनों के बीच सहमति बनना मुश्किल हो सकता है। आइजनकोट बोले- नेतन्याहू चुनाव को बदनाम करने की कोशिश कर रहेः-गादी आइजनकोट ने नेतन्याहू पर चुनाव के नतीजों को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लिकुड पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर सकी, इसलिए चुनाव पर सवाल उठा रही है।आइजनकोट ने साफ किया कि वे संसद (नेसेट) की बैठक तय समय पर होने से रोकने नहीं देंगे। डेमोक्रेट्स नेता गोलान ने आइजनकोट से मुलाकात कीः- डेमोक्रेट्स पार्टी के प्रमुख यायर गोलान ने याशर पार्टी के नेता गादी आइजनकोट से मुलाकात की है। गोलान ने कहा कि दोनों इजराइल की सुरक्षा के लिए लंबे समय तक काम कर चुके हैं और अब देश का बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी उनके सामने है। इससे कुछ घंटे पहले गोलान ने बियाचाद के नेता यायर लैपिड से भी मुलाकात की थी।

स्पेन में ट्रेन हादसे में 68 मौतों के बाद लोगों में आक्रोश,पुलिस पर बोतलें-पटाखे फेंके
सिग्नल खराब होने से भिड़ी थीं हाईस्पीड ट्रेनें

मैड्रिड। स्पेन में दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में 68 लोगों की



मौत के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया है। गुरुवार को सैकड़ों लोगों ने राजधानी मैड्रिड में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते के इस्तीफे की मांग की है। कुछ लोगों ने उन्हें 'मौत का मंत्री' तक कहा। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। लोगों ने पुलिस पर बोतलें और पटाखे फेंके। पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए बल का प्रयोग किया। ट्रेनों के टक्कर की घटना बुधवार की है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक रेल सुरक्षा सिस्टम में खराबी आई थी जिसके बाद कंट्रोल सेंटर ने एक ट्रेन को दोबारा चलने की इजाजत दी। आगे पटरी पर खड़ी दूसरी ट्रेन से उसकी टक्कर हो गई। सिग्नल सिस्टम की खराबी ही हादसे की असली वजह थी या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने भी कहा है कि जांच के बाद हादसे की असली वजह सामने आएगी और जिम्मेदारी तय हो सकेगी। हादसे के बाद देश की रेल व्यवस्था और यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।



इस साल स्पेन में हुआ यह दूसरा बड़ा रेल हादसा है, जिसमें लोगों की जान गई है। इसके पहले जनवरी में हुए हादसे में 46 लोगों ने जान गंवाई थी। उस समय भी कहा कि इस साल हुए दोनों जानलेवा रेल हादसों की वजह अलग-अलग हो सकती हैं। जरूरत पड़ने पर रेल सुरक्षा के नियमों को और सख्त किया जाएगा। पटरी के जोड़ में खराबी के कारण ट्रेन पटरी से उतर गई थी। हादसे के बाद राहत और बचाव दल रातभर मलबे में फंसे लोगों की तलाश करते रहे। क्षतिग्रस्त ट्रेनों से शवों को निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। बचावकर्मी हादसे की जगह पर लगातार काम करते रहे। स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने हादसे की जगह के पास से टीवी पर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने हादसे पर दुख जताया और मामले की जांच कराने का भरोसा दिया। सांचेज ने कहा कि जांच में अगर किसी की लापरवाही या सुरक्षा में कमी सामने आती है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी और कर्मियों को दूर किया जाएगा। उन्होंने यह

भूटान में ग्लेशियर झील फटी, हुआ बड़ा नुकसान,पानी भारत पहुंचने का खतरा- बंगाल-असम में बाढ़ का अलर्ट

कोलकाता। भूटान में गुरुवार देर रात शिंताफू ग्लेशियर झील फटने से भारी तबाही हुई। पानी के तेज बहाव में यहां का मशहूर गर्म पानी का कुंड 'गासा त्साचु' पूरी तरह बह गया। पुनाखा-गासा हाईवे का एक हिस्सा भी टूट गया, जिससे वहां ट्रैफिक बंद करना पड़ा। हालांकि, अब तक किसी की मौत की खबर नहीं है।झील से निकले पानी के कारण संकोश नदी का जलस्तर बढ़ गया है। यह नदी भूटान से निकलकर असम और पश्चिम बंगाल की सीमा वाले इलाकों से गुजरती है और आगे ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। इसे देखते हुए दोनों राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में प्रशासन ने 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया है। रातभर सायरन बजाकर लोगों को सतर्क किया गया और जल्द से जल्द घर छोड़ने को कहा गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आपदा प्रबंधन की टीमें भी तैनात की गई हैं। भूटान की शिंताफू ग्लेशियर झील फटने पर उसमें जमा पानी नदियों के रास्ते भारत पहुंच सकता है। सबसे पहले यह पानी भूटान की मो छू नदी में आएगा। आगे मो छू और फो छू नदियां मिलकर पुनात्सांगछू नदी बनाती हैं। यह नदी दक्षिण की ओर बहते हुए भारत में प्रवेश करती है। भारत में इसे संकोश नदी कहा जाता है। इसके पानी से पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और जलपाईगुड़ी के साथ असम के कोकराझार और धुबरी जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा हो सकता है। आगे चलकर संकोश नदी असम में ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है। इस तरह भूटान की झील का पानी नदियों के रास्ते भारत के मैदानी इलाकों तक पहुंच सकता है।

भूटान में कहां और कैसे आई बाढ़भूटान के गासा जिले के लुंगो, लाया गेओग में शिंताफू तशो झील से 29 अक्टूबर की शाम पानी निकलने लगा। यह झील वाकिला पर्वत के नीचे स्थित है और भूटान की 17 संभावित खतरनाक ग्लेशियर झीलों में शामिल है।

झील से निकला पानी मो छू नदी के जलग्रहण क्षेत्र से आगे बढ़ा। बाढ़ का पानी ताकत्सेमाखांग इलाके में रात करीब 8:15 बजे पहुंचने की खबर है। तेज बहाव से गासा त्साचू हॉट स्प्रिंग की सुविधा तबाह हो गई।

ब्राजील- बोल्सोनारो को भागने में ट्रम्प ने मदद की,इटली के पासपोर्ट पर अमेरिका पहुंचे

मियामी।न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, फ्लावियो के लिए प्राइवेट



जेट की व्यवस्था भी कराई गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि फ्लावियो आगे चलकर अमेरिका में स्थायी रूप से रहने के लिए ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। उनके छोटे भाई एडुआर्डो को भी जुलाई में ग्रीन कार्ड दिया गया था। वैन से अर्जेंटीना पहुंचे, 40 मिनट बाद प्राइवेट जेट से निकलेः-अर्जेंटीना के इमिग्रेशन विभाग के मुताबिक, फ्लावियो 27 अक्टूबर की रात 10:50 बजे पत्नी और बेटियों के साथ सड़क के रास्ते अर्जेंटीना पहुंचे। वे दक्षिणी ब्राजील के फोज दो इगुआसू शहर से अर्जेंटीना के पुएर्तो इगुआसू शहर को जोड़ने वाले 'फ्रेंटरनिटी ब्रिज' से गुजरे।ब्राजील की पुलिस के मुताबिक, उनके देश छोड़ने का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है। अर्जेंटीना की पुलिस ने भी उनके देश में प्रवेश का रिकॉर्ड होने से इनकार किया। हालांकि, इमिग्रेशन विभाग ने उनके आने की पुष्टि की। करीब 40 मिनट बाद फ्लावियो और उनके परिवार ने प्राइवेट जेट से उड़ान भरी। विमान ईंधन भरने के लिए इक्वाडोर के गुआयाकिल में रुका और फिर अमेरिका के मियामी पहुंचा। ट्रम्प ने कहा था- बोल्सोनारो का अमेरिका में स्वागत हैः-अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 27 अक्टूबर को कहा था कि बोल्सोनारो अमेरिका आना चाहें तो वे इसकी मंजूरी दे देंगे। ट्रम्प ने उन्हें अच्छा इंसान बताया और ब्राजील के चुनाव को अजीब और बेहद खराब करार दिया। ट्रम्प ने इससे पहले ब्राजील के चुनाव नतीजों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने बिना सबूत चुनाव में धांधली का दावा किया।फ्लावियो ने अपने चुनाव अभियान के दौरान अमेरिका के साथ रिश्ते मजबूत करने का वादा किया था। वहीं, लूला ने ट्रम्प पर ब्राजील के चुनाव में दखल देने का आरोप लगाया है। मियामी पहुंचकर खुद को ब्राजील का 'वैध राष्ट्रपति' बतायाः- अमेरिका पहुंचने के बाद फ्लावियो ने खुद को ब्राजील का वैध राष्ट्रपति बताया था। हालांकि, बाद में यह बयान हटा दिया और दोबारा जारी बयान में खुद को ब्राजील का 'नेता' कहा। सोशल मीडिया पर जारी बयान में उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक उत्पीड़न के कारण देश छोड़कर आए हैं। उन्होंने ट्रम्प और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति का आभार भी जताया। फ्लावियो ने बिना कोई ठोस सबूत दिए चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने ब्राजील की न्यायपालिका पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने और उन्हें निशाना बनाने का भी आरोप लगाया।चुनाव में 44 लाख वोटों से हारे थे फ्लावियोः- फ्लावियो 25 अक्टूबर को हुए राष्ट्रपति चुनाव में मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने 44 लाख वोटों से हारे थे।नतीजा काउंटिंग के दूसरे चरण में आया जिसमें फ्लावियो को 48फीसदी और लूला को 52फीसदी वोट मिले। पहले चरण में किसी को भी 50फीसदी वोट नहीं मिले थे। हार के बाद फ्लावियो ने नतीजों को स्वीकार नहीं किया था।

हसीना के भागने का वीडियो बनाने वाले अफसर की मौत,परिवार को हत्या का शक
तख्तापलट के बाद हेलिकॉप्टर से भारत आई थीं पूर्व बांग्लादेशी पीएम

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने का वीडियो रिकॉर्ड करने



वाले पूर्व एयरफोर्स अधिकारी केएम तौसीफ सौरी की मौत हो गई है। उनका शव गुरुवार को ढाका की तुराग नदी में मिला। 28 साल के फ्लाइट लेफ्टिनेंट सौरी 27 अक्टूबर से लापता थे। परिवार ने आरोप लगाया है कि हसीना का वीडियो साझा करने के कारण उन्हें परेशान किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी मौत डूबने से हुई, उन्होंने आत्महत्या की या उनकी हत्या की गई। जेब में मिले आईफोन से पहचान हुईः- बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के मुताबिक अधिकारी का शव राजाबाड़ी घाट के पास मिला। सौरी ने सफेद पेंट और काली शर्ट पहनी हुई थी। शुरुआत में पुलिस शव की पहचान नहीं कर सकी। उनकी जेब से मिले आईफोन की मदद से पहचान हुई। शव के साथ एक कलाई घड़ी भी मिली। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।सौरी की मौत के बाद उनकी चचेरी बहन मोशफेका जहां ने फेसबुक पोस्ट में हत्या का आरोप लगाया। बांग्ला में लिखी पोस्ट में उन्होंने कहा, मेरे भाई की हत्या कर दी गई। उसका कसूर क्या था? हसीना के भागने का वीडियो शेयर करना? जहां ने दावा किया कि सौरी ने नहीं बल्कि उनके सहकर्मी ने वीडियो रिकॉर्ड नहीं किया था। बहन ने आरोप लगाया कि एयरफोर्स से रिटायर किए जाने के बाद भी सौरी को मानसिक प्रताड़ना दी जाती रही। उन्होंने दावा किया कि जासूस लगातार उनका पीछा कर रहे थे। उनकी चचेरी बहन के मुताबिक, सौरी की तबीयत ठीक थी और मौत से पहले उन्हें घर से बाहर बुलाया गया था। सौरी को एयरफोर्स से क्यों हटाया गया था, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बांग्लादेशी वेबसाइट 'जागो न्यूज' के मुताबिक, सैन्य जनसंपर्क निदेशालय ने 4 अगस्त 2025 को उनकी सेवा से विदाई पर बयान जारी किया था। इसमें कहा गया था कि सौरी को नियमों के तहत रिटायर किया गया और उन पर कोई आरोप नहीं था। हालांकि, कुछ रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर उनकी विदाई को हसीना के देश छोड़ने के वीडियो से जुड़े विवाद से जोड़ा गया है। उनकी चचेरी बहन का भी आरोप है कि एयरफोर्स छोड़ने से पहले और बाद में सौरी को परेशान किया गया। 'जागो न्यूज' के मुताबिक, उत्तरा पुलिस स्टेशन के अधिकारी शाहीनूर जमान ने गुरुवार को बताया कि उस समय तक सौरी की मौत को लेकर थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई थी। फिलहाल, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। जांच में पता चलेगा कि सौरी की मौत कैसे हुई। अभी न उनकी हत्या की पुष्टि हुई है और न ही उनकी मौत का हसीना के वीडियो से कोई संबंध सामने आया है।

अरब पार्टियों के बिना भी सरकार बना सकते हैं नेतन्याहू,आइजनकोट के पास भी सत्ता में आने के 3 रास्ते

तेल अवीव। इजराइल में 90 प्रतिशत से ज्यादा वोटों की गिनती पूरी हो गई है। इसके बाद भी सरकार बनाने का रास्ता साफ नहीं हो पाया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और विपक्षी नेता गादी आइजनकोट, दोनों के गठबंधन बहुमत से दूर हैं। इजराइली संसद में 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सीटें चाहिए। हालांकि, नेतन्याहू इससे कम सीटें होने पर भी सरकार बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें 19 सीटों के साथ किंगमेकर बनकर उभरी अरब पार्टियों की जरूरत भी नहीं है। नेतन्याहू को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहे गादी आइजनकोट गठबंधन की उम्मीदें भी कायम हैं। 48 सीटों में आगे चल रहे इस गठबंधन के पास सरकार बनाने के 3 रास्ते हैं। नेतन्याहू के 3 विकल्पः- 1. विपक्षी खेमे के सांसदों का समर्थन जुटानाः-नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल किसी पार्टी या उसके कुछ सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सरकार में शामिल होने का प्रस्ताव देने या उनकी कुछ मांगें मानने की जरूरत पड़ सकती है। अगर विपक्षी खेमे के कुछ सांसद विश्वास मत में नेतन्याहू का समर्थन करते हैं या मतदान से दूर रहते हैं, तो उनके लिए सरकार बनाने का रास्ता आसान हो सकता है। हालांकि, विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का लक्ष्य रखा था। इसलिए उनके किसी सहयोगी का नेतन्याहू के पक्ष में जाना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है। अभी किसी खास विपक्षी नेता के पाला बदलने की पुष्टि नहीं हुई है। 2. राष्ट्रीय एकता सरकार बनानाः- नेतन्याहू दूसरी पार्टियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की कोशिश भी कर सकते हैं। इसमें उनके मौजूदा दक्षिणपंथी और धार्मिक सहयोगियों के साथ विपक्ष के कुछ नेता भी शामिल हो सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट या गादी आइजनकोट जैसे नेताओं की भूमिका इस विकल्प में अहम हो सकती है। लेकिन इसके लिए प्रधानमंत्री पद, सैन्य सेवा से जुड़े नियमों और दूसरी नीतियों पर समझौता करना होगा। आइजनकोट और नेतन्याहू के बीच राजनीतिक मतभेद इस रास्ते की बड़ी बाधा हैं। इसके अलावा, नेतन्याहू के अति-दक्षिणपंथी सहयोगियों को भी विपक्षी नेताओं के साथ सत्ता साझा करना मंजूर होना जरूरी नहीं है। 3. अल्पमत सरकार चलानाः- तीसरा विकल्प ऐसी सरकार बनाना है, जिसके पास अपने गठबंधन में 61 सीटें न हों, लेकिन वह विश्वास मत हासिल कर ले। इसके लिए जरूरी नहीं कि अरब पार्टियां सरकार में शामिल हों। यदि वे मतदान से दूर रहती हैं या सरकार के खिलाफ वोट नहीं देतीं, तो संसद में मौजूद और वोट करने वाले सांसदों के हिसाब से सरकार विश्वास मत जीत सकती है।

त्योहार आते ही बढ़ता डर और बेचैनी,बचपन का ट्रॉमा ट्रिगर हो जाता है, घर जाने का मन ही नहीं करता-खुशी कैसे महसूस करूं

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 28 साल का हूं और रांची में नौकरी करता हूं। बचपन में मेरे पिता शराब पीकर घर में झगड़ा करते थे। त्योहारों के समय यह सब और बढ़ जाता था। कभी मां रोती तो कभी रिश्तेदारों के सामने परिवार की बेइज्जती होती। अब मैं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हूं और घर से दूर रहता हूं। इसके बावजूद दशहरा या दिवाली आते ही मेरी नींद खराब होने लगती है। ऑफिस में छुट्टी मंजूर होने के बाद भी घर जाने का मन नहीं करता। घर जाने की कल्पना से ही पुरानी घटनाएं याद आने लगती हैं। क्या बचपन के बुरे अनुभव कई साल बाद भी त्योहारों के दौरान बेचैनी पैदा कर सकते हैं? मैं इस स्थिति को कैसे संभालूं? सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। यह बात सही है कि बचपन के बुरे अनुभवों का असर कई साल बाद भी दिखाई दे सकता है। आपके मामले में यह समझना जरूरी है कि त्योहारों के नजदीक आते ही आपकी बेचैनी क्यों बढ़ने लगती है। आपने बचपन में घर के भीतर झगड़े, मां का रोना और रिश्तेदारों के सामने अपमान जैसी परिस्थितियां देखी हैं। ऐसे अनुभव किसी बच्चे के मन में डर, असुरक्षा और बेबसी की भावना पैदा कर सकते हैं। बचपन में त्योहार आपके लिए खुशी के बजाय तनाव और अनिश्चितता का समय रहे होंगे। अब जब दशहरा या दिवाली आती है, तो घर जाने की तैयारी, छुट्टियां या पुरानी यादें अनजाने में वही डर जगा सकती हैं। भले ही आज आप आत्मनिर्भर हैं और अपनी जिंदगी के फैसले खुद ले सकते हैं, लेकिन पुरानी घटनाओं से जुड़ी भावनाएं फिर भी उभर सकती हैं। ट्रॉमा ट्रिगर होने के संभावित कारणः- असुरक्षित बचपन। बचपन में हुई हिंसा। असुरक्षा और स्ट्रेस की यादें। घर में डर और तनाव। त्योहार से जुड़ी ट्रॉमा मेमोरी। खुशी की बातें याद न आना। क्या ये पीटीएसडी है? आपको कई बार ऐसा महसूस हो सकता है कि कुछ बुरा होने वाला है, जबकि मौजूदा परिस्थितियां बचपन से बिल्कुल अलग हैं। यह आपके पुराने अनुभवों का असर हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि आप कमजोर हैं या इतने साल बाद भी अतीत से बाहर नहीं निकल पाए हैं। आपके लक्षणों को देखते हुए पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) या ट्रॉमा से जुड़ी किसी दूसरी परेशानी की संभावना पर विचार किया जा सकता है। लेकिन यहां ये समझना जरूरी है कि सिर्फ इन लक्षणों के आधार पर पीटीएसडी डायग्नोस नहीं किया जा सकता। इसके लिए यह समझना जरूरी है कि पुरानी घटनाएं आपको किस तरह प्रभावित कर रही हैं और आपकी नींद, कामकाज और रोजमर्रा की जिंदगी पर उसका कितना असर पड़ रहा है। अगर किसी बच्चे के लिए त्योहार या खुशी का मौका दुख, तनाव और अनिश्चितता का समय रहा हो तो बड़े होने के बाद भी वो पुराना ट्रॉमा उभर सकता है। लेकिन इसका मतलब ये कतई नहीं है कि आप कमजोर हैं।



पीटीएसडी सेल्फ एसेसमेंट टेस्टः-खुद से पूछें ये 8 सवाल- आप जिस मनःस्थिति से गुजर रहे हैं, वह पीटीएसडी है या नहीं, इसे समझने के लिए आप एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट कर सकते हैं। अपने पिछले एक महीने के अनुभवों पर गौर करें और नीचे दिए सवालों का हां या ना में जवाब दें। यह देखने कि कोशिश करें कि खासकर त्योहारों के आसपास आपकी भावनाओं, नींद और व्यवहार में क्या बदलाव होते हैं। पीटीएसडी सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट के सवालः-1. क्या बचपन की बुरी घटनाएं बार-बार याद आती हैं, जबकि आप उन्हें याद नहीं करना चाहते? क्या उनसे जुड़े बुरे सपने आते हैं? 2. क्या आप उन बातों, लोगों या जगहों से बचने लगते हैं, जो आपको पुराने अनुभव याद दिलाते हैं? 3. क्या घर जाने या त्योहार मनाने के बारे में सोचते ही घबराहट होती है, दिल की धड़कन बढ़ती है या शरीर में तनाव महसूस होता है? 4. क्या आप हमेशा सतर्क रहते हैं, जैसे कभी भी कुछ बुरा हो सकता है? 5. क्या आपकी नींद खराब रहती है या अचानक कोई आवाज सुनकर आप बहुत ज्यादा चौंक जाते हैं? 6. क्या परिवार या अपने अतीत के बारे में सोचकर गुस्सा, शर्म या खुद को दोष देने की भावना आती है? 7. क्या त्योहारों के नजदीक आते ही आपका मन उदास या बेचैन रहने लगता है? 8. क्या इन परेशानियों के कारण आप घर जाना टालते हैं, छुट्टियों के कार्यक्रम बदलते हैं या लोगों से मिलना-जुलना कम कर देते हैं? इन सवालों के जवाबों को कैसे समझें? पहले 5 सवालों के जवाब पीटीएसडी के संभावित लक्षणों को समझने में मदद करते हैं। पीसी-पीटीएसडी-5 एक मान्य स्क्रीनिंग टेस्ट है। इसका इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि किसी व्यक्ति में पीटीएसडी की आशंका है या नहीं। ये स्क्रीनिंग टेस्ट बीमारी की पुष्टि नहीं करता। अगर आपके जवाबों से पीटीएसडी की आशंका लगती है, तो मनोचिकित्सक विस्तार से बात करके स्थिति का आकलन करते हैं। यहां पर तीन तरह के लक्षणों पर खास ध्यान देने की जरूरत है-इंट्रूजन, पुरानी दर्दनाक घटनाओं की यादें बार-बार आना, बुरे सपने आना या ऐसा महसूस होना, जैसे वह घटना फिर से हो रही है। अवॉइडेंस- उन लोगों, जगहों, बातचीत या परिस्थितियों से बचना, जो पुरानी घटनाओं की याद दिलाते हैं। हाइटेंड थ्रेट- लगातार खतरा महसूस करना, जरूरत से ज्यादा सतर्क रहना या छोटी-छोटी आवाजों से भी चौंक जाना। सेल्फ हेल्प वेः टूल्स फॉर सिनाटिक बिहेवियरल थेरेपी से मदद आपके लिए फॉर सिनाटिक बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी) मददगार हो सकती है। यह एक तरह का मनोवैज्ञानिक टूल है, जिसमें आप अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहार के बीच संबंध को समझना सीखते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि आपको पुरानी घटनाएं भूल जानी हैं या अपने डर को जबरन दबाना है। इसवेः बजाय, आप धीरे-धीरे यह समझना सीख सकते हैं कि अतीत में जो हुआ था और आज आपके सामने जो परिस्थितियां हैं, उनमें क्या फर्क है। इसके लिए आप ये कदम उठा सकते हैं- 1. अपने डर को समझें:- त्योहारों के बारे में सोचकर बेचैनी होने पर इन बातों पर ध्यान दें:- क्या हुआः दिवाली की छुट्टी मंजूर हुई और घर जाने का खयाल आया। मन में क्या विचार आयाः घर गया तो फिर वही झगड़े होंगे। कैसा महसूस हुआः डर, घबराहट या तनाव महसूस हुआ। आपने क्या कियाः टिकट कराने या घर जाने की योजना बनाने से बचने लगे। अब खुद से दो सवाल पूछें:- क्या मुझे आज किसी वास्तविक खतरे का डर है या बचपन की घटनाएं याद आने से बेचैनी हो रही है? क्या आज की परिस्थितियां वैसी ही हैं, जैसी बचपन में थीं? इन सवालों से अपने विचारों और भावनाओं को समझने में मदद मिल सकती है। भावनाओं को समझने के 5 स्टेप्सः- क्या हुआ- दिवाली पर घर जाना था। घर गया- झगड़े होंगे। मन में विचार आया क्या महसूस हुआ.डर, घबराहट, तनाव। प्लान कैंसिल कर दिया।आपने क्या कियाः- अब क्या करें गहरी सांस लें। ठहरकर अब आप सोचें। बच्चे नहीं हैं। अब आप एडल्ट हैं। आप खुद को प्रोटेक्ट कर सकते हैं। 2. अतीत और वर्तमान में फर्क करना सीखें:-जब घर जाने के बारे में सोचकर डर लगे, तो खुद को इन बातों की याद दिलाएं:- तब और अब में फर्क हैः बचपन में आप परिस्थितियों को बदल नहीं सकते थे, लेकिन आज अपने फैसले खुद ले सकते हैं। आपके पास विकल्प हैंः जरूरत पड़ने पर घर से वापस आ सकते हैं या कहीं और ठहर सकते हैं। मदद ले सकते हैंः किसी भरोसेमंद दोस्त या रिश्तेदार को अपनी परेशानी बता सकते हैं। अपनी सुविधा को प्राथमिकता देंः घर जाने, वहां रुकने की अवधि और वापस आने का फैसला अपनी जरूरत वेः अनुसार लें। खुद से कहेंः 'बचपन में मेरे पास विकल्प कम थे, लेकिन आज मैं अपनी सुरक्षा और सुविधा के अनुसार फैसले ले सकता हूं।' 3. डर से निपटने वेः लिए छोटे कदम उठाएंः- त्योहारों से जुड़ी चीजें परेशान करती हैं, तो एकदम से सबका सामना करने के बजाय धीरे-धीरे शुरुआत करें। पहला कदमः घर पर अपनी पसंद से त्योहार की सजावट करें या कोई पसंदीदा पकवान बनाएं। दूसरा कदमः परिवार से फोन पर बात करें और देखें कि आपको कैसा महसूस होता है। तीसरा कदमः सहज महसूस हो, तो परिवार से कुछ घंटों के लिए मिलने जाने पर विचार करें। हर कदम पर खुद को समय देंः अपनी भावनाओं पर ध्यान दें। बेचैनी बढ़े, तो थोड़ा रुकें और जरूरत के अनुसार आगे बढ़ें। डर कम करने के 5 तरीके- अपने डर को लिखें और समझें। छोटे कदमों से शुरुआत करें। अतीत और वर्तमान में फर्क करें। दोस्तों के साथ नई यादें बनाएं। अपनी सुविधा से त्योहार मनाएं। 4. त्योहारों से जुड़ी नई यादें बनाएं:- हो सकता है कि बचपन में त्योहार आपके लिए तनाव का समय रहे हों। लेकिन अब आप अपनी पसंद से इन्हें मनाने के तरीके चुन सकते हैं, जैसेकि- दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं। अपनी पसंद का खाना बना सकते हैं। घूमने जा सकते हैं। हर त्योहार परिवार के साथ मनाना जरूरी नहीं। 5. नींद और दिनचर्या का ध्यान रखें:-आपने बताया कि त्योहारों के नजदीक आते ही आपकी नींद खराब होने लगती है। इस बदलाव पर ध्यान देना जरूरी है। इसलिए-सोने-जागने का समय नियमित रखें। सोने से पहले तनाव बढ़ाने वाली बातचीत न करें। देर रात तक मोबाइल चलाने से बचें। अगर नींद लगातार खराब हो तो इसे सिर्फ फेस्टिव ब्लूज समझकर इग्नोर न करें। क्या त्योहार मनाने के लिए घर जाना जरूरी है? नहीं। आपको हर हाल में घर जाकर दिवाली मनाने की जरूरत नहीं है। असल बात यह है कि आप फैसला डर या अपराधबोध से नहीं, बल्कि अपनी इच्छा, पसंद और मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार करें। सेल्फ हेल्प की ग्राउंडिंग टेक्नीकः- जब भी किसी बात से बहुत ज्यादा घबराहट हो तो ग्राउंडिंग टेक्नीक अपनाएं। इससे बेचैनी के समय अपने आसपास की चीजों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। ग्राउंडिंग टेक्नीक के 5 स्टेप्सः-स्वाद महसूस करें। खुशबूएं पहचानें। आवाजें ध्यान से सुनें। चीजें छूकर महसूस करें। चीजें देखें। प्रोफेशनल हेल्प कब जरूरी? अगर पुरानी घटनाओं की यादें बार-बार परेशान कर रही हैं, बुरे सपने आते हैं, घर जाने के खयाल से घबराहट होती है या नींद और मनोदशा लगातार खराब रहती है, तो विशेषज्ञ से सलाह लें। प्रोफेशनल हेल्प कब जरूरी? बुरे सपने आएं, नींद खराब हो। पुराना ट्रॉमा बार- बार ट्रिगर हो। घर जाने के ख्याल से पैनिक अटैक हो। काम और रिश्तों पर असर पड़ने लगे। तनाव दूर करने के लिए नशे का सहारा लें। खुद को नुकसान पहुंचाने के विचार आएं। अंतिम बातः-आखिर में, मैं आपसे यही कहना चाहूंगा कि बचपन के अनुभवों का असर लंबे समय तक रह सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आपको हमेशा उसी डर के साथ जीना होगा। सही उपचार और सहयोग से आप अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और बेहतर महसूस कर सकते हैं। हमारा मकसद अतीत को मिटाना नहीं, बल्कि यह सीखना है कि आज की जिंदगी को उसके असर से कैसे मुक्त रखा जाए और कैसे बेहतर जिंदगी जी जाए।



——मूवी रिव्यू——
'झाड़ फूंक':एक खंडहरनुमा तहखाना, गायब प्रेमी आखिर किस सच से सामना करेगी आस्था?

मुंबई। कभी कभी डर किसी अंधेरे कमरे में नहीं, बल्कि उन सवालों में छिपा होता है, जिनके जवाब हमारे पास नहीं होते। जब जिंदगी, रिश्ते और अनजाना खौफ एक ही मोड़ पर आकर खड़े हो जाएं, तो सच तक पहुंचना आसान नहीं होता। फिल्म 'झाड़ फूंक' की कहानी भी ऐसे ही रहस्यों के बीच आगे बढ़ती है, जहां हर नया सवाल अपने साथ एक अनजाना डर लेकर आता है। फिल्म की कहानीः-आस्था (सुम्बुल तौकीर खान) प्रेग्नेंट है और राजवीर (हर्ष राजपूत) के साथ उत्तराखंड से दिल्ली की ओर सफर कर रही है। आस्था चाहती है कि राजवीर उससे शादी कर ले, लेकिन रास्ते में हुए एक हादसे के बाद राजवीर अचानक गायब हो जाता है। इसके बाद आस्था ऐसी परिस्थितियों में पहुंच जाती है, जहां उसकी मुलाकात मोहन ठाकुर (यशपाल शर्मा) और कामिनी ठाकुर (पद्मिनी कोल्हापुरे) से होती है। एक खंडहरनुमा तहखाना, वहां का रहस्यमयी माहौल और मंजरी से जुड़ी घटनाएं उसके डर को बढ़ाने लगती हैं। धीरे धीरे इस जगह से जुड़े राज सामने आते हैं और आस्था ऐसे अनुभवों से गुजरती है, जो उसके लिए सब कुछ बदल देते हैं। इन घटनाओं के पीछे क्या है, यही फिल्म के सस्पेंस का अहम हिस्सा है।फिल्म का डायरेक्शन, स्टोरी और स्क्रीनप्लेः-निर्देशक राजन रामगोपाल वर्मा की फिल्म का कॉन्सेप्ट दिलचस्प है। एक गर्भवती महिला, अचानक गायब हुआ प्रेमी और रहस्यमयी तहखाने का माहौल कहानी को रोमांचक बना सकता था। फिल्म के प्रीक्लाइमैक्स में सस्पेंस पैदा होता है और कुछ देर के लिए कहानी दर्शकों को बांधने में सफल रहती है। हालांकि, फिल्म की रफ्तार कई जगह धीमी पड़ जाती है। कुछ सीन जरूरत से ज्यादा लंबे लगते हैं, जबकि कई घटनाओं के बीच जुड़ाव साफ नजर नहीं आता। कहानी जिस सवाल के साथ शुरू होती है, वह बीच में अपनी अहमियत खोने लगता है। इससे मुख्य कहानी का प्रभाव कम होता है और दर्शकों की उत्सुकता भी कमजोर पड़ सकती है। हॉरर के साथ आस्था और अंधविश्वास का पहलू जोड़ा गया है, लेकिन डर पैदा करने वाले सीन हर बार असर नहीं छोड़ते। कई जगह माहौल बनाने की कोशिश दिखती है, मगर वह प्रभावशाली डर में नहीं बदल पाती। स्क्रीनप्ले ज्यादा कसा हुआ होता और गैरजरूरी दृश्यों को छोटा किया जाता, तो फिल्म का असर बेहतर हो सकता था। कहानी में मौजूद संभावनाओं को पूरी तरह पर्दे पर उतारने के लिए निर्देशन और तकनीकी प्रस्तुति में और कसावट की जरूरत महसूस होती है। फिल्म में एक्टिंगः- यशपाल शर्मा अपने अनुभव के साथ किरदार में गंभीरता लाते हैं। पद्मिनी कोल्हापुरे भी रहस्यमयी माहौल के अनुरूप अभिनय करती हैं। सुम्बुल तौकीर खान आस्था के डर और परेशानी को पर्दे पर उतारने की कोशिश करती हैं, जबकि हर्ष राजपूत की भूमिका कहानी की शुरुआती कड़ी में अहम है। हालांकि, कमजोर लेखन के कारण कलाकारों को अपने किरदारों के जरिए पूरी छाप छोड़ने का मौका नहीं मिल पाता।

हॉलीवुड एक्टर पैट्रिक स्टीवर्ट का निधन,'एक्स-मेन' फ्रेंचाइजी में बने थे प्रोफेसर एक्स

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज था नाम; नाइटहुड सम्मान भी मिला था

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड एक्टर सर पैट्रिक स्टीवर्ट का बुधवार को लॉस एंजिल्स में 86 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 'एक्स-मेन ' और 'स्टार ट्रेक' फ्रेंचाइजी में काम किया था। एक्टर के सोशल मीडिया अकाउंट पर जारी बयान के मुताबिक, उन्होंने घर पर आखिरी सांस ली। वह अल्जाइमर रोग और लेवी बॉडी डिमेंशिया से जूझ रहे थे। उस समय उनकी पत्नी सनी उनके साथ थीं। उनके निधन के बाद ह्यू जैकमैन, विलियम शैटनर, मार्वल स्टूडियोज और कई सह-कलाकारों ने सोशल मीडिया पर उन्हें याद करते हुए दुख जताया। पैट्रिक स्टीवर्ट ने 60 साल से ज्यादा समय तक थिएटर, टीवी और फिल्मों में काम किया। उन्होंने 1966 में रॉयल शेक्सपियर कंपनी से जुड़कर थिएटर में अपनी पहचान बनाई। उन्हें साइंस-फिक्शन सीरीज 'स्टार ट्रेकः द नेक्स्ट जेनरेशन' में कैप्टन जीन-ल्यूक पिकार्ड के किरदार से दुनियाभर में पहचान मिली। इसके अलावा, उन्होंने 'एक्स-मेन ' फिल्मों में प्रोफेसर शीला फाल्कनर से हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं। बेटे का नाम डैनियल स्टीवर्ट और बेटी का नाम सोफी एलेक्जेंड्रा स्टीवर्ट है। 1990 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद पैट्रिक ने 2000 में टीवी प्रोड्यूसर वेंडी न्युस से शादी की, लेकिन 2003 में दोनों अलग हो गए। सितंबर 2013 में उन्होंने अमेरिकी सिंगर और सॉन्गराइटर सनी ओजेल से तीसरी शादी की। पैट्रिक के चार बेहतरीन काम के लिए उन्हें दो प्रतिष्ठित लॉरेंस ओलिवियर अवॉर्ड मिले। वहीं, उन्होंने बेस्ट स्पोकन वर्ड एल्बम की कैटेगरी में एक ग्रैमी अवॉर्ड भी जीता।इसके अलावा, वह अपने करियर में चार एमी अवॉर्ड, तीन गोल्डन ग्लोब और एक टोनी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुए। पैट्रिक स्टीवर्ट का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्जः-पैट्रिक स्टीवर्ट के नाम लाइव-एक्शन मार्वल किरदार निभाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2000 में आई फिल्म 'एक्स-मेन' में पहली बार प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर यानी प्रोफेसर एक्स का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने 2022 में आई फिल्म 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस' में भी यह भूमिका निभाई। इस तरह उन्होंने 21 साल और 296 दिनों तक एक ही मार्वल किरदार निभाया। इसी लंबे सफर के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में उनका नाम दर्ज किया गया। 'एवेंजर्सः डूम्सडे' होगी आखिरी फिल्म पैट्रिक स्टीवर्ट फिल्म 'एवेंजर्सः डूम्सडे' में नजर आएंगे। यह पर्दे पर उनकी आखिरी फिल्म होगी। मार्वल स्टूडियोज ने इंस्टाग्राम पर श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'मार्वल स्टूडियोज में हम सभी सर पैट्रिक स्टीवर्ट के निधन से बेहद दुखी हैं।' स्टूडियोज ने कहा, 'सर पैट्रिक ने प्रोफेसर चार्ल्स जेवियर यानी प्रोफेसर एक्स का किरदार निभाया। वह 'ड्यून', 'एक्सकैलिबर' और 'ग्रीन रूम' जैसी फिल्मों में भी नजर आए। पैट्रिक स्टीवर्ट ने अपनी जिंदगी में तीन शादियां की थीं। उनकी पहली शादी 1966 में पोते-पोतियां भी हैं। पैट्रिक स्टीवर्ट को मिला था नाइटहुड सम्मान पैट्रिक स्टीवर्ट को उनके शानदार अभिनय के लिए कई सम्मान मिले थे। इनमें ब्रिटेन का प्रतिष्ठित नाइटहुड सम्मान भी शामिल था। थिएटर में उनके जेवियर को असाधारण गरिमा, समझदारी और इंसानियत के साथ जीवंत किया। 'एक्स-मेन' से 'लोगान' और 'एवेंजर्सः डूम्सडे' तक, उन्होंने इस किरदार को कई पीढ़ियों के प्रशंसकों के लिए यादगार बना दिया।' ह्यू जैकमैन ने कहा- मैंने उनसे बहुत कुछ सीखाः- 'एक्स-मेन' फ्रेंचाइजी में ह्यू जैकमैन ने पैट्रिक स्टीवर्ट के साथ काम किया था। ह्यू ने पैट्रिक के साथ अपनी तस्वीरें शेयर कर लिखा, 'आज हमने स्टेज और स्क्रीन के महान कलाकारों में से एक को खो दिया। मेरी नजर में वे एक शानदार दोस्त और इंसान भी थे। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। पैट्रिक स्टीवर्ट, मैं आपको जिंदगीभर याद करूंगा।' विलियम शैटनर ने कहा- दिल टूट गयाः- पैट्रिक स्टीवर्ट ने 1994 की फिल्म 'स्टार ट्रेकः द नेक्स्ट जेनरेशन' में विलियम शैटनर के साथ काम किया था। विलियम ने इमोशनल पोस्ट में कहा कि उनका दिल टूट गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पैट्रिक के साथ तस्वीर शेयर की। विलियम ने लिखाः-यह हफ्ता कितना दुखद रहा है। सर पैट्रिक स्टीवर्ट मेरे दोस्त, सहकर्मी और शानदार अभिनेता थे। स्टेज से लेकर एंटरप्राइज के ब्रिज तक, उन्होंने अपने हर काम में समझदारी, गरिमा और इंसानियत दिखाई। कैप्टन पिकार्ड हम सभी के बेहतर रूप का प्रतीक थे। उन्हें निभाने वाले इंसान भी ऐसे ही थे। मैं उनके और उनके काम के लिए स्नेह और सम्मान से भरा था। मेरी संवेदनाएं सनी और उनके परिवार के साथ हैं। उनकी बहुत कमी खलेगी।' डैफने कीन ने पैट्रिक को दिग्गज बताया फिल्म 'लोगान' में पैट्रिक और ह्यू जैकमैन के साथ काम कर चुकीं डैफने कीन ने भी एक लंबा नोट लिखा। फिल्म में उन्होंने लॉरा यानी एक्स-23 का किरदार निभाया था। डैफने ने लिखा, 'मुझे आज पैट्रिक के निधन की खबर मिली। यह अजीब संयोग है, क्योंकि पिछली रात मैं उन्हें एक ईमेल लिख रही थी। मैंने काफी समय से उन्हें ईमेल नहीं किया था।' उन्होंने लिखा, 'वे दयालु, सच्चे, मजाकिया, अलग, परवाह करने वाले और आकर्षक इंसान थे। मुझे उनके अंतहीन मजाक, दूसरों का ख्याल रखने की आदत और रंग-बिरंगे पढ़ने वाले चश्मे याद हैं।'







श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज,विठाबाई के किरदार में छाईं श्रद्धा

मुंबई। श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर आज दोपहर रिलीज हुआ। फिल्म में श्रद्धा मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब और नाना पाटेकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर महाराष्ट्र की लोककला तमाशा और लावणी की दुनिया दिखाता है। ट्रेलर में कला, संघर्ष और अपने सम्मान के लिए लड़ाई नजर आती है। श्रद्धा विठाबाई के किरदार में दमदार लग रही हैं। उनके डायलॉग भी असर छोड़ते हैं। एक जगह वह कहती हैं, 'देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड। मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे। जब वो टूट गया ना, सब टूट गया।' मोहम्मद जीशान अय्यूब का अंदाज भी ध्यान खींचता है। उनके डायलॉग्स भी शानदार हैं। ट्रेलर में वह श्रद्धा कपूर के किरदार ईठा से कहते हैं, 'तुझसे तो नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती, ईठा। बिना नाचे जाएगी क्या? देख, आसमान का मंडप है, चांद की लाइट है, हवाओं के स्पीकर हैं। कोई हो न हो, तेरा रिवाज तो है। तू ही कहती थी न कि पड़े-पड़े मरी तो बेचारी कहलाऊंगी।' इसके बाद ईठा कहती है, 'पर नाचते हुए मरी तो मिसाल बन जाऊंगी।' ट्रेलर की जान इसका संगीत है। अजय-अतुल का म्यूजिक कहानी के माहौल को और मजबूत बनाता है। नववारी साड़ी को लेकर श्रद्धा का डायलॉग भी खास है, वो कहती हैं, 'ये सिर्फ कपड़ा नहीं, अभिमान है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।